हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

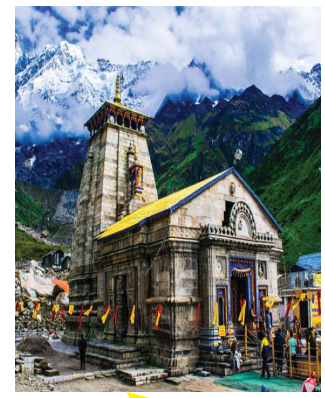

वर्ष:5 अंक:20 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, शनिवार, 24 जनवरी 2026

विकसित भारत के संकल्प में विकसित उत्तराखंड निभाएगा अहम भूमिका: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में विकसित उत्तरखंड का विजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प तभी साकार होगा, जब प्रत्येक राज्य अपनी क्षमताओं और संसाधनों के अनुरूप समान रूप से विकास की दिशा में आगे बढ़े। मुख्यमंत्री शुक्रवार को सिविल सर्विसेस इंस्टीट्यूट में आयोजित दो दिवसीय चिन्तन शिविर एवं डॉयलाग ऑन विजन 2047 में राज्य के प्रशासनिक अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस शिविर के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप उत्तराखंड के लिए ठोस, व्यवहारिक और समयबद्ध विकास रणनीति तैयार की जाएगी। शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, पर्यटन, कृषि, ऊर्जा, तकनीक, सुशासन सहित राज्य के समग्र विकास से जुड़े सभी प्रमुख क्षेत्रों पर गहन विचार-विमर्श किया जा रहा है, जिससे वर्ष 2047 के लिए राज्य की स्पष्ट दिशा तय हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत का विजन किसी एक सरकार या कार्यकाल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक दीर्घकालिक राष्ट्रीय संकल्प है, जिसका उद्देश्य भारत को आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, सामरिक और सांस्कृतिक रूप से सशक्त बनाना है। इस विजन की विशेषता यह है कि इसमें विकास को मानव केंद्रित, समावेशी और

सतत रखा गया है, जहां प्रत्येक नागरिक को समान अवसर मिलें और शासन पारदर्शी व जन-केंद्रित हो।

प्रशासनिक तंत्र की भूमिका अहम

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि नीति निर्माण से लेकर क्रियान्वयन और अंतिम सफलता तक प्रशासनिक तंत्र की सक्रियता, संवेदनशीलता और दक्षता निर्णायक होती है। अधिकारियों को प्रत्येक नीति और योजना को लक्ष्य आधारित, जन-केंद्रित और परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण के साथ लागू करना होगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्य केवल आदेशों और बैठकों तक सीमित न रहें, बल्कि नवाचार, पारदर्शिता, समयबद्धता और जवाबदेही के साथ धरातल पर दिखने चाहिए।

उन्होंने कहा कि विकसित उत्तराखंड का वास्तविक मापदंड किसानों की आय में वृद्धि, युवाओं के लिए रोजगार सृजन और महिलाओं के लिए समान अवसर उपलब्ध कराने से तय होगा। योजनाओं का प्रभाव आम नागरिक के जीवन में दिखना चाहिए।

टीम उत्तराखंड की तरह करें कार्य

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि पर्वतीय राज्य होने के कारण उत्तराखंड के सामने विशेष चुनौतियाँ हैं, लेकिन इन्हीं चुनौतियों में विकास के अवसर भी छिपे हैं। यदि नीतियों को भौगोलिक परिस्थितियों और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप ढाला जाए तो उत्तराखंड इकोनॉमी और इकोलॉजी के बीच संतुलन बनाकर देश को नई दिशा दे सकता है। इसके लिए

विभागीय सीमाओं से ऊपर उठकर 'टीम उत्तराखंड' की भावना के साथ कार्य करना होगा।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के दौरान सामने आने वाली जनसमस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनके समाधान सुनिश्चित करें और अपने सेवा क्षेत्र के विकास पर विशेष ध्यान दें।

सुशासन, तकनीक और जन-केंद्रित विकास बने आधार

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित उत्तराखंड की नींव सुशासन, तकनीक एवं नवाचार तथा जन-केंद्रित संतुलित विकास के तीन स्तंभों पर टिकी है। ई-गवर्नेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से शासन को अधिक प्रभावी, तेज और पारदर्शी बनाया जाना चाहिए, ताकि दूरस्थ और सीमांत क्षेत्रों तक भी इनका लाभ पहुंचे। साथ ही पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील राज्य में विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

आउटपुट और आउटकम तय करना जरूरी

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक योजना के स्पष्ट आउटपुट और आउटकम निर्धारित किए जाएं। केवल बजट खर्च हो जाना सफलता का पैमाना नहीं हो सकता। अधिकारियों के निर्णय और कार्य भविष्य की दिशा तय करते हैं, इसलिए दायित्वों को प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण का अवसर समझकर निभाया जाए।

मंथन सत्र में भी सक्रिय रहे मुख्यमंत्री

चिन्तन शिविर के उद्घाटन सत्र के बाद भी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी काफी देर तक मंथन सत्र में मौजूद रहे। उन्होंने मंच से नीचे हॉल की प्रथम पंक्ति में बैठकर विभिन्न विषयों पर चल रही परिचर्चा को ध्यानपूर्वक सुना और महत्वपूर्ण सुझावों को नोट किया। इस अवसर पर सेतु आयोग के सीईओ शत्रुघ्न सिंह, प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, डॉ. आर. मीनाक्षी सुंदरम, नीति आयोग से प्रोग्राम डायरेक्टर डॉ. नीलम पटेल, आईएएस अधिकारी तथा विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान ने किया अभिनंदन

पथ प्रवाह, हरिद्वार

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के दो दिवसीय हरिद्वार जनपद आगमन पर हेलीपैड पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान ने उनका आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

स्वागत के दौरान अमित चौहान ने पुष्पगुच्छ भेंट कर केंद्रीय गृह मंत्री का अभिनंदन किया तथा उनके आगमन को जिले के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में देश ने आंतरिक सुरक्षा, सुशासन और विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और

आमजन उपस्थित रहे। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना रहा और समर्थकों ने इसे ऐतिहासिक पल बताया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा की मुलाकात, सड़क परियोजनाओं पर चर्चा

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से आज मुख्यमंत्री आवास में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उत्तराखंड में सड़क, राजमार्ग एवं आधारभूत ढांचे के विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार, सड़क सुरक्षा को मजबूत करने, पर्वतीय क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी तथा चल रही और प्रस्तावित सड़क परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। विशेष रूप से चारधाम यात्रा मार्गों, सीमावर्ती क्षेत्रों और पर्यटन स्थलों तक सुगम पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार केंद्र सरकार के सहयोग से सड़क एवं परिवहन अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि मजबूत सड़क नेटवर्क से राज्य के आर्थिक विकास को गति मिलेगी, साथ ही पर्यटन, चारधाम यात्रा और सीमावर्ती क्षेत्रों की कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने उत्तराखंड के विकास के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि मंत्रालय राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सड़क परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने भविष्य में भी राज्य को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

केरल निर्णायक राजनीतिक बदलाव की दहलीज पर, भाजपा नेतृत्व संभालने के लिए तैयार: मोदी

तिरुवनंतपुरम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि केरल एक निर्णायक राजनीतिक बदलाव की दहलीज पर खड़ा है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य में शासन का एक वैकल्पिक मॉडल पेश करने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री ने केरल के तिरुवनंतपुरम के पुथरीकंडम मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य में शासन का एक वैकल्पिक मॉडल पेश करने के

लिए तैयार है और जनता का मौजूदा मिजाज स्पष्ट रूप से दशकों की 'विभाजनकारी राजनीति' से आगे बढ़ने की इच्छा को दर्शाता है। मोदी ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम चुनावों में भाजपा की हालिया जीत का जिक्र करते हुए इसे ऐतिहासिक और अभूतपूर्व बताया। उन्होंने कहा कि इसने केरल में पार्टी के विस्तार और विकास की नींव रखी है। उन्होंने कहा, 'जो सालों से नहीं बदला, वह अब बदलेगा। जो गुजरात की एक नगर पालिका से शुरू हुआ था, वह अब तिरुवनंतपुरम में जड़ें जमाएगा और पूरे केरल में फैलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य की राजधानी का चुनावी फैसला सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) दोनों के प्रति जनता के बढ़ते मोहभंग को दर्शाता है।

एक नजर

परिजनों से नाराज होकर घर से निकले नाबालिग भाई

पथ प्रवाह, हरिद्वार। परिजनों नाराज होकर घर से दूर भागने के इरादे से निकले नाबालिग भाईयों को पुलिस ने सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। घरवालों की मदद की गुहार पर एक्टिव हुई पुलिस टीम ने दोनों बच्चों को रेलवे स्टेशन से बरामद किया। पुलिस के मुताबिक कोतवाली रानीपुर क्षेत्रांतर्गत तिरुपति कालोनी से दोनों भाई रुद्र उम्र 13 व लक्की उम्र 11 परिजनों से नाराज होकर बिना बताए घर से निकल गए। मदद की आस में चौकी गैस प्लांट पहुंचे परिजनों से जानकारी मिलने पर चौकी स्टाफ ने अथक प्रयासों के बाद दोनों बच्चों को रेलवे स्टेशन हरिद्वार से सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया। बच्चे रेल के जरिए भागने की फिराक में थे। बच्चों की सकुशल बरामदगी पर बच्चों के परिजनों ने पुलिस स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

फर्श से छत तक पूरी जानकारी जुटायेगी भारत सरकार, 1 अप्रैल से शुरू अभियान

भारत की पहली पूर्ण डिजिटल जनगणना 2026–27 का रोडमैप तैयार

पथ प्रवाह, नई दिल्ली। भारत सरकार ने वर्ष 2027 में होने वाली देश की पहली पूर्ण डिजिटल जनगणना के लिए व्यापक रोडमैप तैयार कर लिया है। इस ऐतिहासिक पहल के तहत जनगणना प्रक्रिया को कागज़-कलम से मुक्त कर पूरी तरह डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया जाएगा। केंद्र सरकार का उद्देश्य है कि 'फर्श से छत तक' हर नागरिक और हर घर की सटीक जानकारी आधुनिक तकनीक के माध्यम से सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से एकत्र की जाए। डिजिटल जनगणना में मोबाइल एप, टैबलेट और क्लाउड आधारित डेटा सिस्टम का उपयोग किया जाएगा। गणनाकर्मी घर-घर जाकर डिजिटल उपकरणों से जानकारी दर्ज करेंगे, जिससे डेटा रियल टाइम में सर्वर पर अपलोड होगा। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि त्रुटियों की संभावना भी कम होगी। सरकार ने डेटा सुरक्षा और गोपनीयता को प्राथमिकता देते हुए साइबर सुरक्षा मानकों को भी रोडमैप में शामिल किया है। यह डिजिटल जनगणना एक अप्रैल से शुरू होगी। जिसके बाद जनगणना 2026–27 से प्राप्त आंकड़े नीति निर्माण, सामाजिक योजनाओं, शहरी विकास और संसाधन आवंटन में अहम भूमिका निभाएंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि यह डिजिटल बदलाव भारत की सांख्यिकीय प्रणाली को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाएगा। सरकार के अनुसार, यह पहल डिजिटल इंडिया के लक्ष्य को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

लक्सर में मिट्टी से लदे डंपर ने बाइक सवार को कुचला, युवक की दर्दनाक मौत

पथ प्रवाह, लक्सर। लक्सर क्षेत्र में खानपुर-पुरकाजी मार्ग पर देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मिट्टी से लदे एक डंपर ने बाइक सवार को कुचल दिया, जिससे युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। मृतक युवक की पहचान ऋषभ के रूप में हुई है, जो गोवर्धनपुर गांव का निवासी बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को टक्कर मारते हुए युवक को रौंद दिया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे लेकर लोगों में भारी आक्रोश है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। डंपर चालक की तलाश की जा रही है।

शहर विधायक मदन कौशिक ने लड़ाएं पतंगबाजी के पेंच

पथ प्रवाह, हरिद्वार। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं हरिद्वार विधायक मदन कौशिक ने वसंत पंचमी पर पतंगबाजी का लुत्फ उठाया। सांसद प्रतिनिधि अनिल पुरी के आवास पर सभी कार्यकर्ताओं के साथ वसंत पंचमी के अवसर पर पतंगबाजी की। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश सह मीडिया संयोजक विकास तिवारी, रवि जैसल, हर्षित त्रिपाठी, राहुल शर्मा, राम अरोड़ा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे। शुक्रवार को बारिश के चलते पतंगबाजी नहीं हो सकी। पतंगबाजी के शौकीन मौसम खुलने का इंतजार करते रहे, लेकिन उनकी आशाओं पर बारिश ने पानी फेर दिया। हालांकि बीच बीच में बारिश बंद होने पर लोग छतों पर पहुंचते देखे गए, लेकिन यह सिलसिला अधिक देर तक नहीं चल सका। बारिश होने से पतंगबाजों के अरमान धरे रह गए।

23 अप्रैल को विधि विधान से खुलेंगे बदरीनाथ धाम के कपाट

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वसंत पंचमी के पावन पर्व पर बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि घोषित की गई। बदरीनाथ धाम के कपाट आगामी 23 अप्रैल को विधि-विधान के साथ श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिए जाएंगे। इससे पहले बृहस्पतिवार को डिम्मर से डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत के सदस्य गाडू घड़ा के साथ ऋषिकेश के लिए रवाना हुए। शुक्रवार को पुजारी गाडू घड़ा लेकर नरेंद्रनगर राज दरबार पहुंचे। जहां महाराजा मनुजेंद्र शाह पंचांग पूजा के बाद भगवान बदरीविशाल के कपाट खुलने, भगवान के महाभिषेक में प्रयुक्त होने वाले लिए तिलों के तेल को पिरोने और गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा की तिथि घोषित की। यहां परंपरागत तरीके से भगवान बदरीविशाल धाम कपाटोद्घाटन की तिथि घोषित की गई। भगवान बदरीविशाल के कपाट 23 अप्रैल को ब्रह्म काल मुहूर्त पर 6:15 पर खोले जाएंगे। गाडू घड़ा यात्रा सात अप्रैल को आरंभ होगी। श्रीलक्ष्मी-नारायण मंदिर डिम्मर में बृहस्पतिवार सुबह डिम्मर गांव के पुजारी टीका प्रसाद डिमरी और आचार्यों ने भगवान और गाडू घड़ा की विष्णु सहस्त्रनाम और नामावलियों से महाभिषेक पूजा कर बाल भोग अर्पित किया। इसके बाद बदरीनाथ धाम के डिमरी पुजारियों ने गाडू घड़ा लेकर मंदिर की परिक्रमा की।

कुंभ 2027 तक रेल परियोजनाओं पर संयुक्त सर्वे और ट्रैफिक प्लान के निर्देश

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में शुक्रवार को मुख्य सचिव कार्यालय में उत्तर रेलवे मुरादाबाद मण्डल की मण्डल रेल प्रबन्धक विनीता श्रीवास्तव के साथ महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उत्तर रेलवे से सम्बन्धित विभिन्न लंबित प्रकरणों एवं प्रस्तावित रेल परियोजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने ऋषिकेश-डोईवाला बाईपास रेलवे लाइन परियोजना के अंतर्गत वन भूमि से जुड़े प्रकरणों पर गंभीरता से कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने जिलाधिकारी देहरादून को निर्देशित किया कि राजाजी नेशनल पार्क एवं वन विभाग की 3.62 हेक्टेयर वन भूमि के संबंध में रेलवे, मुख्य वन्यजीव वार्डन तथा राजाजी नेशनल पार्क के अधिकारियों के साथ संयुक्त सर्वेक्षण कराते हुए निरीक्षण आख्या शीघ्र शासन को उपलब्ध कराई जाए। बैठक में देहरादून-मोहण्ड-सहारनपुर टनल आधारित रेलवे लाइन परियोजना पर भी चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने इस परियोजना का फाइनल लोकेशन सर्वे कराते हुए अद्यतन स्थिति से शासन को शीघ्र अवगत कराने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने हर्रावाला रेलवे स्टेशन के विस्तारीकरण से संबंधित मास्टर प्लान को शासन के साथ साझा करने को कहा। इसके लिए रेलवे एवं जिला प्रशासन को संयुक्त सर्वे कर निरीक्षण आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने आगामी कुंभ मेला-2027 को ध्यान में रखते हुए रेलवे अधिकारियों को जिलाधिकारी हरिद्वार, एसएसपी हरिद्वार, मेलाधिकारी तथा राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के साथ समन्वय स्थापित कर संयुक्त ट्रैफिक प्लान तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। इसके अतिरिक्त, उन्होंने हरिद्वार रेलवे सुरंग के पास ढलान स्थिरीकरण (स्लोप स्टेबलाइजेशन) कार्य को शीघ्र पूर्ण कराते हुए की गई कार्यवाही की आख्या शासन को उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

बैठक में सचिव परिवहन बृजेश कुमार संत, अपर सचिव रीना जोशी सहित रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार में हर वर्ग और जाति को मिल रहा सम्मानः नेत्रपाल

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नेत्रपाल मौर्य ने कहा कि भाजपा सरकार के राज में हर वर्ग और हर जाति को सम्मान मिल रहा है। इसी क्रम में कश्यप समाज को भी जल्द बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि ओबीसी के प्रमाण पत्र की वैधता बढ़ाने और मत्स्य बोर्ड के प्रतिनिधित्व पर भी वह मुख्यमंत्री से वार्ता करेंगे।

शुक्रवार को श्री कश्यप समाज आश्रम समिति हरिद्वार की ओर से स्वागत सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भाजपा ओबीसी मोर्चा में राजवीर सिंह कश्यप को प्रदेश महामंत्री और नीरज कश्यप को प्रदेश मंत्री बनाने पर यह स्वागत समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि नेत्रपाल मौर्य ने कश्यप समाज को मत्स्य पालन आयोग में अब तक दर्जाधारी का दायित्व नहीं दिए जाने के सवाल पर कहा कि अब सरकार में भी शीघ्र समाज को शामिल किया जाएगा। ओबीसी के जाति प्रमाण पत्र की तीन साल वैधता बढ़ाने पर उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण विषय है, क्योंकि, जातियां कभी नहीं बदलती हैं। इसलिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मिलकर ओबीसी प्रमाण पत्र की वैधता बढ़ाने की बात की जाएगी। ताकि ओबीसी समाज के लोगों को बार-बार प्रमाण पत्र बनवाने की जरूरत न पड़े।

बसंत पंचमी पर प्रकल्प मिशन ज्ञान गंगा का शुभारंभ, ऑनलाइन वीडियो के माध्यम से कक्षा 3 से 12 तक के बच्चों को मिलेगा कंटेंट

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं शिक्षामंत्री धन सिंह रावत के कुशल नेतृत्व एवं निर्देशन में जनपद हरिद्वार में शिक्षा के क्षेत्र में एक अभिनव पहल की ऑनलाईन शुरुआत की गई हैं। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित एवं मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्रा के मार्गदर्शन में तथा नोडल अधिकारी/डायट प्राचार्य मेराज अहमद के समन्वय से 'मिशन ज्ञान गंगा' के अंतर्गत सुलभ शिक्षा का आभासी पायलट प्रकल्प प्रारंभ किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को उनकी रूचि के अनुसार पाठ्यक्रम को पढ़ाया जाना है। डायट प्राचार्य मेराज अहमद ने बताया कि बसंत पंचमी पर सुलभ शिक्षा के आभासी प्रकल्प 'मिशन ज्ञान गंगा' का शुभारंभ किया गया। जिसमें दस सदस्यीय शिक्षकों की समिति बनाई गई है। 'मिशन ज्ञान गंगा' केवल एक परियोजना नहीं, बल्कि शिक्षा को जन-आंदोलन बनाने की पहल है–सशक्त शिक्षक, सशक्त विद्यार्थी और सशक्त समाज की दिशा में एक सार्थक प्रयास हैं, जिसमें विद्यार्थियों में विषय के प्रति समझ, आत्मविश्वास और सीखने की रुचि विकसित होगी। यह कटेंट शिक्षकों के लिए भी सहायक सिद्ध होगा तथा कक्षा शिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाएगा।

उन्होंने अवगत कराया कि जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने इस परियोजना के माध्यम से हरिद्वार को शैक्षिक नवाचार व मॉडल जनपद के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास बताया है, जिससे छात्र छात्र-छात्राओं को उनकी रूचि के अनुसार पाठ्यक्रम में वीडियो के माध्यम जानकारी दी जाएगी।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में ठोस कदम

मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र ने इसे प्रदेश में अभिनव शैक्षिक प्रयोग बताते हुए अन्य जनपदों के लिए अनुकरणीय मॉडल करार दिया। उन्होंने अवगत कराया कि इस परियोजना का उद्देश्य कक्षा 3 से 12 तक के विद्यार्थियों को कठिन विषयों की जटिल अवधारणाओं को सरल, रोचक एवं गुणवत्तापूर्ण वीडियो शिक्षण के माध्यम से समझाना है। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप सभी विद्यार्थियों तक समान, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाने की दिशा में एक ठोस कदम मानी जा रही है। उन्होंने बताया कि मिशन ज्ञान गंगा के अंतर्गत विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए संकल्पना आधारित वीडियो कंटेंट उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे विद्यार्थियों में विषय के प्रति समझ, आत्मविश्वास और सीखने की रुचि विकसित होगी। यह कटेंट शिक्षकों के लिए भी सहायक सिद्ध होगा तथा कक्षा शिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाएगा। डायट प्राचार्य मेराज अहमद ने अवगत कराया कि पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के आधार पर इसे आगे और विस्तार दिया जाएगा, जिससे अधिकाधिक विद्यार्थियों को लाभ मिल सके।

टीम मिशन गंगा में ये रहेंगे शामिल।

मेराज अहमद, प्राचार्य- जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रुड़की (नोडल) नरेन्द्र सिंह वालिया, प्रवक्ता डायट, राजीव आर्य, प्रवक्ता डायट, अनिल धीमान, प्रवक्ता डायट, डॉ अनिता सिंह प्रवक्ता डायट, संजय शर्मा स0अ0, रा0 प्रा0 वि0 बेडपुर, राजीव कुमार शर्मा, स0अ0 रा0 प्रा0 वि0 इमलीखेड़ा, अमरीन नाज (स0अ0) रा0 प्रा0 वि0 नं, मंगलौर, हेमेंद्र चौहान (स0अ0) रा0प्रा0वि0 चौली भगवानपुर तथा कविता शर्मा, अतिथि शिक्षक, गुलाब शाहपीर इंटर कॉलेज रुड़की शामिल हैं।

जनपद की 318 ग्राम पंचायतों में सफाई की जिम्मेदारी नोडल अधिकारियों को, सीडीओ ने किये नामित

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर जनपद हरिद्वार में चल रहे स्वच्छता अभियान को अब गांवों में और अधिक तेजी से चलाया जाएगा। इसके लिए सीडीओ डॉ ललित नारायण मिश्र ने नोडल अधिकारी नामित किये हैं। जनपद की सभी 318 ग्राम पंचायतों में अभियान की जिम्मेदारी नो?डल अधिकारियों को सौंप दी है। अच्छा कार्य करने वाले ग्रामीण को ब्रांड अंबेसडर चयनित किये जाने के भी निर्देश दिये गए हैं।

सीडीओ डॉ ललित नारायण मिश्र ने बताया कि शहर और देहात दोनों ही स्थानों पर स्वच्छता अभियान चल रहा है। इस सफाई अभियान में और तेजी लाने के लिए जनपद की सभी 318 ग्राम पंचायतों में जनपद के सभी 6 विकास खंडों में तैनात ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। सफाई अभियान के अनुश्रवण के लिए सहायक विकास अधिकारी पंचायतों को अनुश्रवण अधिकारी नामित किया गया हैं। जनपद में विकासखंड बहादराबाद में 80, भगवानपुर, 54, खानपुर 25, लक्सर 51, नारसन 63 तथा रुड़की में 45 ग्राम

पंचायतें हैं। सभी अधिकारी अपने अपने ग्राम पंचायतों में जन सहभागिता के माध्यम से स्वच्छता अभियान चलाते हुए नियमित साफ सफाई कराएंगे। सभी अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि उनका उत्तरदायित्व होगा कि ग्राम पंचायतों में गठित जल प्रबन्धन एवं स्वच्छता समिति की नियमित बैठकें करवाना और स्वच्छता के क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले प्रेरक व्यक्तियों, नागरिकों को ग्राम पंचायतवार ब्राण्ड एम्बेसडर चयनित करना। स्वच्छता अभियान के दौरान साफ किए गए स्थानों से एकत्रित कूड़े की मात्रा और गतिविधि की समस्त जानकारी फोटोग्राफ के साथ व्हाटसएप नंबर 8273371714 पर उपलब्ध करानी होगी। इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी अधिकारीयों का उत्तरदायित्व होगा कि ग्राम पंचायतों में गठित जल प्रबन्धन एवं स्वच्छता समिति की नियमित बैठकें करवाना व स्वच्छता के क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले प्रेरक व्यक्तियों/नागरिकों को ग्राम पंचायतवार ब्राण्ड एम्बेसडर चयनित करना है। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सफाई अभियान में किसी भी प्रकार की शिथिलता एवं लापरवाही क्षम्य नहीं की जाएगी।

ये दी गई मुख्य रूप से जिम्मेदारी

* ग्राम पंचायतों में प्रतिदिन नियमित सफाई कार्य।
* कूड़ा संक्रमित क्षेत्र चिन्हित करना एवं निस्तारण।
* सड़कों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें।
* संक्रमित क्षेत्र में सफाई के उपरान्त सौन्दर्यकरण सुनिश्चित कराना।
* पारम्परिक (कुरडी) कूड़ा स्थान को व्यवस्थित करना।
* जैविक/अजैविक कूड़े का पृथक्कीकरण सुनिश्चित कराना एवं एमआरएफ/सेग्रीगेशन केन्द्र व्यवस्थित रूप से भिजवाना।
* अजैविक कूड़े को प्लास्टिक कचरा निस्तारण केन्द्र/रैग पिकर से संबद्धीकरण कराना।
* अजैविक कूड़े को प्रसंस्करण केन्द्र भिजवाना।
* जैविक कूड़े से खाद बनाना।
* नियमित रूप से कूड़े की लॉगबुक अद्यतन कराना।
* समय-समय पर जनजागरूकता अभियान चलाना।
* रसोई व स्नानघर से निकलने वाले धूसर जल (ग्रेवॉटर) की व्यवस्थित जल निकासी का प्रबन्ध कराना।
* नाली/नालों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित कराना।
* जल निकासी हेतु स्थापित नाली/नालों के अन्तिम प्वाइंट पर ग्रेवॉटर ट्रीटमेंट चैम्बर लगाया जाना।
* ग्राम पंचायत-बेलड़ा (रूड़की) मॉडल के अनुसार डोर-टू-डोर कचरा एकत्रीकरण हेतु प्रभावी रणनीति तैयार कर, क्रियान्वयन सुनिश्चित करना।
* स्वच्छता में अच्छा कार्य करने वाले व्यक्तियों, छात्र/छात्राओं एवं जनप्रतिनिधि को सम्मानित करना।

एक नजर

प्रेस क्लब ने आचार्य किशोरीदास वाजपेयी को मरणोपरांत पद्मश्री देने की मांग उठाई

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हिंदी के पाणिनी के रूप में विख्यात आचार्य किशोरीदास वाजपेयी की जयंती पर प्रेस क्लब हरिद्वार ने उन्हें मरणोपरांत पद्मश्री सम्मान दिए जाने की मांग की है। इस संबंध में शीघ्र ही प्रेस क्लब की ओर से सरकार को औपचारिक प्रस्ताव प्रेषित किया जाएगा। आचार्य किशोरीदास वाजपेयी की जयंती के अवसर पर प्रेस क्लब हरिद्वार द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कनखल चौक बाजार और प्रेस क्लब परिसर में स्थापित आचार्य वाजपेयी की प्रतिमा पर प्रेस क्लब अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी, महामंत्री दीपक मिश्रा सहित सदस्यों ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात प्रेस क्लब सभागार में गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी की अध्यक्षता धर्मेंद्र चौधरी ने की, जबकि संचालन वरिष्ठ सदस्य प्रदीप गर्ग ने किया। वक्ताओं ने आचार्य वाजपेयी के हिंदी व्याकरण, शब्द अनुशासन और पत्रकारिता में योगदान को स्मरण किया। वक्ताओं ने उन्हें स्वाभिमान की मूर्ति, राष्ट्रसेवक और हिंदी भाषा का महान साधक बताया। गोष्ठी में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आचार्य किशोरीदास वाजपेयी को उनके अतुलनीय योगदान के लिए मरणोपरांत पद्मश्री सम्मान दिया जाना चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि यह सम्मान हिंदी भाषा और पत्रकारिता जगत के लिए गौरव का विषय होगा।

महामना सेवा संस्थान ने धूमधाम से मनाई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती, एनसीसी कैडेट्स ने दी मार्च पास्ट सलामी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। महामना सेवा संस्थान हरिद्वार द्वारा महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती डॉ. हरिराम आर्य इंटर कॉलेज, मायापुर हरिद्वार के प्रांगण में अत्यंत धूमधाम और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में देशभक्ति का वातावरण देखने को मिला।

इस अवसर पर डॉ. हरिराम आर्य इंटर कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को मार्च पास्ट कर सलामी दी। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने मां सरस्वती एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। महामना सेवा संस्थान के महामंत्री डॉ. रमेश चंद्र शर्मा ने नेताजी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को बंगाल के कटक (वर्तमान ओडिशा) में हुआ था। उन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया और जीवन भर अंग्रेजों से संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' जैसे नारे आज भी युवाओं को प्रेरित करते हैं। संयुक्त मंत्री धर्मेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि नेताजी का जीवन अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और त्याग का प्रतीक था। ऐसा महान व्यक्तित्व युगों में कभी-कभी जन्म लेता है। डॉ. हरिराम आर्य इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि नेताजी का नाम लेते ही आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

मोबाइल शॉप में चोरी करने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार में घने कोहरे का फायदा उठाकर दो मोबाइल फोन सेंटर के शटर उखाड़ कर चोरी की घटना को अंजाम देने वाले दो शातिर चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर घटना का खुलासा कर दिया है। दोनों आरोपी पूर्व में भी चोरी की घटना में जेल जा चुके हैं। दोनों अभियुक्त दिल्ली के रहने वाले हैं। कोतवाली नगर पुलिस ने बताया कि बीती 14 जनवरी को अज्ञात चोरों द्वारा पुराना रानीपुर मोड के पास दो मोबाइल सेंटर की दुकानों में शटर तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। दुकान मालिक नितिन शर्मा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस टीम ने घटना का खुलासा करने के लिए घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों को चेक किया। जिसमें एक ईको कार की घटनास्थल के पास मौजूद नजर आयी। इस कार से दो संदिग्ध उतरकर घटनास्थल की ओर जाते दिखाई दिए। कार का पता लगाने के लिए

पुलिस टीम ने जनपद सीमा से दिल्ली तक सैकड़ों सीसीटीवी कैमरे चैक किये। घना कोहरा होने के कारण कार को ट्रेस कर पाना बहुत कठिन हो रहा था। किन्तु पुलिस की कड़ी मेहनत व लगन से का नंबर ट्रेस हो गया। जिसके बाद पुलिस चोरों तक पहुंच गई। यह कार इदरीश अंसारी पुत्र फारुख अंसारी निवासी शास्त्री पार्क दिल्ली के नाम थी। वहां जब टीम गई तो पता चला इदरीश अब वहां नहीं रहता। इसके बाद पुलिस ने ईको कार को ट्रेस करते हुए दो संदिग्धों को हरिद्वार औद्योगिक क्षेत्र से पकड़ा। उनके पास से चुराए गए 5 मोबाइल और अन्य सामान बरामद किया। पकड़े गए आरोपियों के नाम इदरीश अंसारी, जीतू यादव बताए गए हैं। दोनों फिलहाल दिल्ली में रहते हैं।

पूर्व सभासद अशोक शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने बारिश में भी की पदयात्रा

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

शुक्रवार को बारिश के बावजूद कांग्रेस के पूर्व सभासद अशोक शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्यों के समर्थन में दूधाधारी चौक से चंद्राचार्य चौक तक पदयात्रा निकाली। पदयात्रा समाप्ति पर कार्यकर्ताओं ने शंकराचार्य की तस्वीर का दुग्धाभिषेक किया।

इस दौरान अशोक शर्मा ने कहा कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का सम्मान बीजेपी भूल गई है। पूरी देश दुनियां में लोग उनका सम्मान करते हैं। सिर्फ बीजेपी ही उनके साथ दुर्व्यवहार करती है। प्रयागराज की घटना बहुत ही निंदनीय है और विश्व में भारत का मान सम्मान बना हुआ है उसे धक्का लगा है। ब्राह्मण बटुक की शिखा खींचने का अधिकार किसने दिया। यह सभी ब्राह्मणों का अपमान है। सभी को इसका विरोध करना

चाहिए। यूपी सरकार संतों और जनता से माफी मांगे। पार्षद सुनील कुमार, युवा कांग्रेस सोशल मीडिया प्रभारी शुभम जोशी ने कहा कि कांग्रेस ने सदैव संतों, ब्राह्मणों, दलितों और अन्य धर्म, जाति, वर्ग का सम्मान किया है। भाजपा सिर्फ अदानी अंबानी का ही सम्मान करती है।

वरिष्ठ महिला नेत्री पुष्पा जोशी, गार्गी राय ने कहा कि भाजपा सरकार में महिलाओं का शोषण हो रहा है। संतों को पर्वों के स्नान से रोका जाता है। अंकिता भंडारी हत्याकांड के वीआईपी का नाम छुपाया जा रहा है। बीजेपी सरकार में कोई सुनवाई नहीं है। इस अवसर पर मिथलेश गिल, प्रदीप भाटिया, दिनेश दुबे, मनोज सैनी, विकास चंद्रा, मनोज जाटव, नकुल माहेश्वरी, रमेश शर्मा, अखिल त्यागी, समर्थ अग्रवाल, नारायण आदि उपस्थित थे।

बदरीनाथ धाम के कपाट इस वर्ष ग्रीष्मकालीन यात्रा के लिए 23 अप्रैल को खुलेंगे

देहरादून। भगवान विष्णु अर्थात बदरीनाथ धाम के कपाट आगामी ग्रीष्मकालीन यात्रा के लिए 23 अप्रैल को विधि -विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। शुक्रवार को वसंत पंचमी के अवसर पर धाम के कपाट खुलने की तिथि घोषित की गई। इससे पहले गुरुवार को डिम्मर से डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत के सदस्य गाडू घड़ा के साथ ऋषिकेश के लिए रवाना हुए। आज सुबह पुजारी गाडू घड़ा लेकर नरेंद्रनगर राज दरबार पहुंचे। यहां परंपरागत तरीके से भगवान बदरी विशाल धाम कपाटोद्घाटन की तिथि घोषित की गई।जिसके अनुसार भगवान बदरी विशाल के कपाट आगामी 23 अप्रैल को ब्रह्म मुहूर्त में 6:15 बजे खोले जाएंगे। जबकि गाडू घड़ा यात्रा सात अप्रैल को आरंभ होगी। इसका निर्णय परंपरा अनुसार टिहरी गढ़वाल जनपद के नरेंद्र नगर स्थित राजदरबार में महाराजा मनुजेंद्र शाह ने पंचांग पूजा के बाद भगवान बदरी विशाल के कपाट खुलने, भगवान के महाभिषेक में प्रयुक्त होने वाले तिलों के तेल को पिरोने और गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा की तिथि घोषित की। राजदरबार में आयोजित धार्मिक समारोह के दौरान महाराजा मनु जयेंद्र शाह ने स्वयं कपाट खुलने की तिथि की घोषणा की। राजपुरोहित आचार्य कृष्ण प्रसाद उनियाल ने महाराजा की जन्मकुंडली, ग्रह-नक्षत्र और शुभ योगों का सूक्ष्म अध्ययन कर बदरीनाथ धाम के कपाट 23 अप्रैल को सुबह सवा छह बजे शुभ मुहूर्त में खोलने की तिथि निर्धारित की।

संपादकीय

सोने का बढ़ता भाव: चिंता या अवसर?

हाल ही में सोने की कीमतों में लगातार उछाल ने आम लोगों और निवेशकों दोनों के लिए चिंता पैदा कर दी है। भारतीय बाजार में सोने को पारंपरिक रूप से सुरक्षित निवेश और महंगाई से बचाव का साधन माना जाता रहा है। लेकिन जब इसकी कीमतें तेजी से बढ़ती हैं, तो यह केवल निवेशकों के लिए अवसर नहीं, बल्कि सामान्य लोगों के लिए आर्थिक दबाव भी बन जाती हैं।

सोने की बढ़ती कीमतों के कई कारण हैं। वैश्विक स्तर पर डॉलर की मजबूती, अमेरिकी ब्याज दरों में बदलाव, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने की मांग और राजनीतिक-आर्थिक अस्थिरता इसके मुख्य कारक हैं। इसके अलावा, भारत में आभूषणों की मांग, शादी और त्योहारों का सीजन, और आयात शुल्क भी कीमतों में वृद्धि का बड़ा कारण बनते हैं।

आम नागरिकों के दृष्टिकोण से सोने की बढ़ती कीमतें रोजमर्रा की योजनाओं पर असर डालती हैं। विवाह, त्योहार और धार्मिक आयोजनों में सोने की मांग सबसे अधिक होती है, लेकिन ऊंची कीमतें परिवारों के बजट पर बोझ डालती हैं। वहीं निवेशकों और वित्तीय विशेषज्ञों के लिए यह अवसर भी प्रस्तुत करती हैं। सोने में निवेश मुद्रास्फीति और आर्थिक अनिश्चितता के समय में सुरक्षित विकल्प माना जाता है।

सरकार और केंद्रीय बैंक की नीतियाँ भी सोने के भाव को प्रभावित करती हैं। आयात पर कर, निर्यात प्रोत्साहन और मौद्रिक नीति के बदलाव सीधे सोने की कीमतों में परिलक्षित होते हैं। निवेशकों को चाहिए कि वे भाव के उतार-चढ़ाव को समझकर ही लंबी अवधि की रणनीति अपनाएँ।

सोने की कीमतें बढ़ रही हैं, लेकिन इसके पीछे का संदेश केवल आर्थिक चिंता का नहीं है। यह हमें वित्तीय अनुशासन, विविध निवेश और आपातकालीन धनराशि की आवश्यकता की ओर भी इंगित करता है। आम निवेशक और परिवारों को चाहिए कि वे आभूषणों और निवेश में संतुलन बनाए रखें, केवल भाव के डर या आकर्षण में निर्णय न लें।

सोने का बढ़ता भाव भारतीय अर्थव्यवस्था की गतिशीलता, वैश्विक आर्थिक प्रभाव और स्थानीय मांग का प्रतीक है। इसे केवल चिंता का विषय मानने के बजाय अवसर और तैयारी दोनों के दृष्टिकोण से देखना चाहिए। सही रणनीति अपनाकर नागरिक और निवेशक दोनों ही इससे लाभ उठा सकते हैं और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं।

गाजा पीस बोर्ड: शांति मंच या डोनाल्ड ट्रंप की बादशाहत?

सनत जैन

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित 'गाजा पीस बोर्ड' का विचार जितना महत्वाकांक्षी है उतना ही विवादास्पद भी है। गाजा जैसे जटिल और संवेदनशील समेत संघर्षशील क्षेत्र के लिए एक नया अंतरराष्ट्रीय मंच डोनाल्ड ट्रंप खड़ा करके अपनी बादशाहत कायम करने दादागिरी कर अपना वर्चस्व बनाना चाहते हैं। जिस तरह से इस बोर्ड की संरचना, सदस्यता और नेतृत्व की रूपरेखा लेकर ट्रंप सामने आए हैं, उसने संयुक्त राष्ट्र संघ और अन्य स्थापित अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका पर सीधी चुनौती देने का काम किया है। जहां तक भागीदारी का प्रश्न है, ट्रंप ने लगभग 50 देशों को निमंत्रण भेजा था। उनके आमंत्रण पर केवल 19 देशों की भागीदारी संभव हो पाई है। जो देश शामिल हुए हैं, उनमें अधिकांश छोटे और सीमित प्रभाव वाले देश हैं। इस पहली बैठक में यूरोपीय संघ के प्रमुख देश शामिल नहीं हुए। रूस, चीन और भारत जैसे देश भी इस बैठक में शामिल नहीं हुए। प्रभावशाली अरब राष्ट्र इस पहल में शामिल नही हैं। इससे स्पष्ट है कि डोनाल्ड ट्रंप के गाजा पीस बोर्ड के इस प्रस्ताव को दुनिया के देशों का समर्थन नहीं मिल रहा है। इस बोर्ड की वैधता और प्रभावशीलता पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। शांति प्रक्रिया तभी टिकाऊ हो सकती है, जब तक कि उसमें वैश्विक स्तर की सभी क्षेत्रीय शक्तियाँ और शक्तिशाली देश शामिल नहीं हो जाते। ऐसी स्थिति में इस बोर्ड का कोई महत्व नहीं रहेगा। गाजा पीस बोर्ड की 'भारी भरकम फीस' को लेकर भी कई देश इसमें शामिल होने के लिए तैयार नहीं है। शांति मंच का उद्देश्य किसी भी तरह के संघर्ष का समाधान बोर्ड के माध्यम से होना चाहिए। गरीब और छोटे देश को ना तो इसमें प्रतिनिधित्व मिलेगा और ना ही वह भारी भरकम फीस अदा कर पाएंगे। छोटे देश के लिए इसकी सदस्यता भी आर्थिक भार के रूप में सामने आ रही है, जिसके कारण ट्रंप के इस प्रस्ताव को कोई समर्थन मिलता हुआ दिख नहीं रहा है। सदस्यता शुल्क अधिक होने के कारण चुनिंदा देश ही इसे वहन कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में यह मंच वैश्विक स्थिति में कोई सार्थक भूमिका निभा पाएगा इस पर अपने आप पर प्रश्न चिन्ह लगता है। इससे यह भी आशंका पैदा होती है, कि कहीं यह पहल ट्रंप की पीस बोर्ड की आड़ में व्यापारिक परियोजना के रूप में तो नहीं लाई जा रही है।

सबसे संवेदनशील प्रश्न ट्रंप के 'स्थाई अध्यक्ष' बनने के प्रस्ताव से जुड़ा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में नेतृत्व आमतौर पर सामूहिक सहमति, रोटेशन और संतुलन के सिद्धांत पर आधारित होता है। स्थाई अध्यक्ष का विचार न केवल लोकतांत्रिक भावना के विरुद्ध है, बल्कि इस स्थिति में इस बोर्ड पर विश्वास करना भी कठिन हो जाता है। ट्रंप का यह प्रस्तावित बोर्ड उनके व्यक्तिगत प्रभाव और अमेरिकी वर्चस्व का एक उपकरण के रूप में देखा जा रहा है। क्या दुनिया के देश किसी एक राष्ट्र के नेता को स्थायी रूप से शांति प्रक्रिया का नेतृत्व देने में सहज रूप से विश्वास कर पाएंगे? इसमें संदेह है। संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय और मध्य पूर्व शांति प्रक्रिया से जुड़ी मौजूदा संस्थाएँ पहले से मौजूद हैं। इन संस्थाओं से अमेरिका अपनी दूरी बना रहा है। अमेरिका अपनी ताकत के बल पर उन्हें कमजोर करने में लगा हुआ है। ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समानांतर मंच खड़ा करना संस्थागत वैश्विक स्तर पर अराजकता की स्थिति पैदा कर सकता है। हर बड़ी शक्ति अपनी सुविधा को ध्यान में रखते हुए यदि इस तरह के 'पीस बोर्ड' बनाएगी तो ऐसी स्थिति में वैश्विक व्यवस्था स्वयं खंडित हो जाएगी। गाजा पीस बोर्ड का विचार कागज पर आकर्षक लग सकता है। इसकी वर्तमान संरचना में सीमित भागीदारी, ऊँची फीस और डोनाल्ड ट्रंप का स्थाई अध्यक्ष बनने का प्रस्ताव, शांति का मंच कम और शक्ति-प्रदर्शन का मंच अधिक दिख रहा है। इस कारण दुनिया के देश इससे दूरी बनाकर चल रहे हैं।

इस तरह के प्रस्ताव पर व्यापक अंतरराष्ट्रीय सहमति, पारदर्शिता और संयुक्त राष्ट्र के साथ समन्वय के बिना आगे नही बढ़ा जा सकता है। इससे पहले तक ट्रंप द्वारा प्रस्तावित गाजा पीस बोर्ड का कोई भविष्य नहीं होगा। इस प्रस्ताव को लेकर जो राय सामने आ रही है उसमें कहा जा रहा है, कि डोनाल्ड ट्रंप स्थाई अध्यक्ष बनकर दुनिया के देशों को अपनी उंगलियों में नचाने की सोच रखते हैं। जिसके कारण डोनाल्ड ट्रंप इस बोर्ड को लेकर पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गए हैं।

शिक्षा रोजगार का टिकट नहीं, जीवन का दर्शन बने

ललित गर्ग

विश्व शिक्षा दिवस कोरा उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है, यह सोचने का क्षण कि शिक्षा क्या है, किसके लिए है और किस दिशा में समाज को ले जा रही है। भारत इस संदर्भ में केवल एक देश नहीं, बल्कि एक जीवित सभ्यता है, जिसने शिक्षा को कभी भी मात्र रोजगार या सूचना का साधन नहीं माना, बल्कि जीवन-निर्माण, चरित्र-गठन और आत्मबोध की प्रक्रिया के रूप में जिया है। आज जब दुनिया ज्ञान, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अभूतपूर्व दौर में खड़ी है, तब भारत की प्राचीन गुरुकुल परंपरा और उसके शैक्षिक सूत्र वैश्विक नेतृत्व का आधार बन सकते हैं। इस वर्ष की थीम 'शिक्षा के सह-निर्माण में युवाओं की शक्ति' है, जो शांति और विकास के लिए शिक्षा के महत्व पर केंद्रित है, यह दिन शिक्षा को एक मौलिक अधिकार और भविष्य की पूंजी के रूप में रेखांकित करने के लिए मनाया जाता है, ताकि गरीबी मिटाई जा सके, लैंगिक समानता लाई जा सके और सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जा सके। जिसकी आवश्यकता इसलिए भी है क्योंकि लाखों बच्चे एवं युवा शिक्षा से वंचित हैं और यह दिन युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाता है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित यह दिवस, शांति और विकास के लिए शिक्षा की भूमिका का जश्न मनाता है। यह शिक्षा को एक मौलिक मानवाधिकार, सार्वजनिक हित और जिम्मेदारी के रूप में स्थापित करता है। यह दिन गरीबी के चक्र को तोड़ने और लैंगिक समानता प्राप्त करने के लिए शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देता है। यह दिन शिक्षा को भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी मानता है, जो समाज को अंधकार से बाहर निकाल सकती है और भविष्य के निर्माताओं को तैयार कर सकती है। भारत की प्राचीन शिक्षा परंपरा का मूल मंत्र था- 'सा विद्या या विमुक्तये ', अर्थात् वही विद्या है जो मुक्त करे। गुरुकुलों में शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं थी; वह आचरण, अनुशासन, प्रकृति के साथ सामंजस्य, गुरु-शिष्य संवाद और जीवनोपयोगी कौशल का समन्वय थी। गुरु केवल विषय का अध्यापक नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टा होता था और शिष्य केवल परीक्षा-उत्तीर्ण करने वाला विद्यार्थी नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायी नागरिक। आश्रम-व्यवस्था में रहकर विद्यार्थी सेवा, श्रम, ध्यान, तर्क और प्रयोग-इन सबके माध्यम से समग्र व्यक्तित्व का विकास करता था। यह शिक्षा आत्मनिर्भरता सिखाती थी, प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि सह-अस्तित्व का बोध कराती थी और ज्ञान को जीवन से जोड़ती थी।

औपनिवेशिक काल में यह समग्र शिक्षा व्यवस्था व्यवस्थित रूप से ध्वस्त की गई। लॉर्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति का उद्देश्य भारतीयों को शिक्षित बनाना नहीं, बल्कि प्रशासन के लिए 'क्लर्क' तैयार करना था- ऐसे लोग जो सोच में अंग्रेज़ हों, रंग में भारतीय। इस पद्धति ने शिक्षा को जीवन से अलग कर दिया, भाषा को जड़ों से काट दिया और ज्ञान को रटंत, अंक-केंद्रित और नौकरी-उन्मुख बना दिया। आज़ादी के बाद भी दुर्भाग्यवश, भारत लंबे समय तक उसी ढांचे में फंसा रहा। विद्यालय और विश्वविद्यालय बढ़े, लेकिन शिक्षा की आत्मा कमजोर होती चली गई। डिग्रियों की संख्या बढ़ी, पर कौशल, नैतिकता और नवाचार का संकट गहराता गया। स्वतंत्र भारत की शिक्षा प्रणाली ने कुछ सकारात्मक प्रयास अवश्य किए-सार्वजनिक विश्वविद्यालय, वैज्ञानिक संस्थान, तकनीकी शिक्षा लेकिन व्यापक स्तर पर शिक्षा समाज की आवश्यकताओं से कटती गई। पाठ्यक्रम बोझिल होते गए, परीक्षाएं स्मृति-आधारित बनती गईं और शिक्षक-छात्र संवाद औपचारिकता में सिमट गया। शिक्षा रोजगार का टिकट बन गई, जीवन का दर्शन नहीं। यही कारण है कि आज शिक्षित युवा भी दिशाहीनता, बेरोजगारी और मानसिक तनाव से जूझ रहा है। इसी पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आती है। यह नीति केवल संरचनात्मक सुधार नहीं, बल्कि वैचारिक बदलाव का संकेत देती है। इसमें भारतीय भाषाओं को शिक्षा का माध्यम बनाने, बहु-विषयक अध्ययन, रटंत विद्या से मुक्ति, कौशल विकास, अनुसंधान, नवाचार और नैतिक शिक्षा पर बल दिया गया है। यह नीति स्पष्ट रूप से मैकाले की शिक्षा पद्धति से बाहर निकलने की दिशा में कदम है- जहां शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी नहीं, बल्कि सक्षम, सृजनशील और संवेदनशील मानव का निर्माण है।

नई शिक्षा नीति में कौशल विकास, अनुभवात्मक अधिगम, खेल, कला और व्यावसायिक शिक्षा को महत्व देना, उच्च शिक्षा में विषयों की कठोर सीमाओं को तोड़ना-ये सभी कदम गुरुकुल परंपरा की आधुनिक पुनर्व्याख्या जैसे हैं। मातृभाषा में शिक्षा का आग्रह न केवल संज्ञानात्मक विकास को सुदृढ़ करता है, बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास भी लौटाता है। यह नीति भारतीय ज्ञान परंपरा-योग, आयुर्वेद, दर्शन, गणित, खगोल को वैश्विक संदर्भ में पुनर्स्थापित करने का अवसर देती है। फिर भी, यह स्वीकार करना होगा कि नीति और क्रियान्वयन के बीच की दूरी अभी भी बड़ी चुनौती है। व्यापक परिवर्तन की अपेक्षाएं अभी अधूरी हैं। शिक्षा को वास्तव में कौशल विकास का केंद्र बनाना होगाकृजहां विद्यार्थी केवल पढ़े नहीं, बल्कि कर सके, सोच सके, समस्या सुलझा सके। पाठ्यपुस्तकों और रटंत विद्या से हटकर शिक्षा को जीवन-विकास का आधार बनाना होगा। शिक्षक को फिर से 'गुरु' की भूमिका में लाना होगा-मार्गदर्शक, प्रेरक और सहयात्री के रूप में।

तकनीकी विकास, नवाचार और एआई के युग में भारतीय शिक्षा पद्धति के सामने दोहरी चुनौती है। एक ओर, उसे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सक्षम बनना है-डिजिटल साक्षरता, डेटा, विज्ञान और तकनीक में अग्रणी होना है। दूसरी ओर, उसे मानवीय मूल्यों, करुणा, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी सुरक्षित रखना है। यदि शिक्षा केवल तकनीक सिखाएगी और विवेक नहीं, तो वह विनाश का उपकरण बन सकती है। भारत की शक्ति यही है कि वह विज्ञान और अध्यात्म, तकनीक और तत्त्वज्ञान, नवाचार और नैतिकता-इन सबका संतुलन सिखा सकता है। भारतीय शिक्षा पद्धति में वह सामर्थ्य है कि वह दुनिया को एक नया दर्शन और नया शिक्षा-सूत्र दे सके, जहां शिक्षा उपभोग नहीं, साधना हो; जहां ज्ञान सत्ता नहीं, सेवा बने; जहां प्रतिस्पर्धा के साथ सह-अस्तित्व भी हो। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना आज वैश्विक शिक्षा का सबसे प्रासंगिक मंत्र बन सकती है।

इक्कीसवीं सदी का मानव और मानव समाज केवल तकनीकी दक्षता या आर्थिक प्रगति से पूर्ण नहीं हो सकता। उसकी संरचना तब तक अधूरी रहेगी, जब तक शिक्षा परिपक्व, समग्र और मूल्यनिष्ठ न हो। आज दुनिया को ऐसे अभिनव मानव की आवश्यकता है जो आध्यात्मिक चेतना से संपन्न हो और वैज्ञानिक दृष्टि से सक्षम भी। शिक्षा का स्वरूप ऐसा हो, जिसमें ज्ञान केवल सूचना न बने, बल्कि विवेक, संवेदना और उत्तरदायित्व का विस्तार करे। मूल्यप्रवाहित शिक्षा व्यक्ति को मानवीय बनाती है और योग शिक्षा उसे आत्म-संयम, संतुलन तथा अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। इन दोनों का समन्वय ही ऐसी शिक्षा को जन्म दे सकता है, जो व्यक्ति को आत्मकेंद्रित नहीं, बल्कि विश्वकल्याण की दिशा में उन्मुख करे। भारत के अनेक आध्यात्मिक संत महापुरुषों ने शिक्षा को समग्रता देने के लिये इस विषय पर गंभीर चिन्तन-मंथन किया।

महान् दार्शनिक संत आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने जीवन विज्ञान के रूप में एक समग्र चिन्तन एवं योजना शिक्षा को परिपूर्णता देने के लिये प्रस्तुत की है। उनके अनुसार मानवता का भविष्य श्रम, अर्थ और संयम-इन तीनों के सामंजस्यपूर्ण विकास पर निर्भर है। श्रम और अर्थ जीवन के मौलिक एवं व्यावहारिक पक्ष हैं, जो समाज की गतिशीलता और आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करते हैं; वहीं संयम जीवन का आध्यात्मिक पक्ष है, जो भोग की अंधी दौड़ को रोककर संतुलन और शांति की स्थापना करता है।

समाज को मासूम कलियों को रौंदने से बचाना होगा?

नरेन्द्र भारती

इतिहास गवाह है कि देश में लड़कियों ने शिक्षा, राजनीति,से लेकर हर क्षेत्र में सफलता की इबारतें लिखी हैं।बेशक 24 जनवरी 2026 को राष्ट्रीय बालिका दिवस के रुप में मनाया जा रहा है मगर ऐसे आयोजन केवल मात्र औपचारिकता भर रह गए हैं। केवल मात्र एक दिन बालिकाओं की सुरक्षा के दावे किए जातें हैं संकल्प लिए जाते हैं उसके बाद 364 दिनों तक मासूम कलियों को रौदा जाता है। समूचे देश में बालिका दिवस पर भाषण प्रतियोगिताएं करवाई जाती हैं,सैमीनार लगाए जातें हैं ,कवि सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं।मगर सुधार शून्य ही रहता है।अगर सही मायनों में बालिकाओं को सुरक्षित बनाना है तो समाज के हर वर्ग को इसमें सहयोग देना होगा तभी ऐसें आयेजन सफल हो सकते हैं अन्यथा सुधार संम्भव नही हो सकता। बालिकाओं की स्थिती बहुत ही दयनीय होती जा रही है। समाज में बालिकाओं पर अत्याचार हो रहे हैं उनसे दुष्कर्म किए जा रहे हैं मासूम कलियों की हत्याएं की जा रही है। कन्या भ्रूण हत्याएं हो रही है लिंग अनुपात घटता जा रहा है। मंदिरों ,झाड़ियों में नवजात शिशु फैके जा रहे है जिनमें अधिकांश लडकियां होती है। समाज किस ओर जा रहा है वह यह क्यों नहीं सोचता कि जिसने उसे जन्म दिया वह भी एक लड़की ही थी।कन्या भ्रूण हत्या के लिए समाज जिम्मेवार है।आज लड़कियां हर क्षेत्र में अपना नाम चमका रही है हर शिखर पर परचम लहरा पही है। आज धरती से लेकर आकाश तक बेटियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाकर समाज को बता दिया कि हम किसी से कम नहीं है। आज बेटियां एवरेस्ट पर्वत पर पहुच रही है ,हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही है।वंश परपरा की खातिर कोख में ही कत्ल किए जा रहे है। आज भले ही मानव 21वीं सदी में पहुच चुका है मगर उसकी सोच में कोई बदलाव नहीं आया है। आज सरकारों द्वारा बेटी है अनमोल जैसे कार्यक्रम चलाए जा रहे है मगर कुछ तथाकथित दकियानूसी सोच रखने वाले लोगों के कारण ऐसे कार्यक्रमों पर बटटा लग रहा है जो लड़के की चाहत में ऐसे घिनौने कार्य कर रहे हैं ऐसे लोगों को कसाई कहना चाहिए जो जानबूझ कर ऐसे रुह कंपा देनं वाले कार्यों को बेखौफ होकर अंजाम दे रहे है।समाज को ऐसें लोगो को बहिष्कृत करना चाहिए जो लड़कियों के जन्म पर मातम मनाते हैं। समाज के लोग गैर जिमेदार होते जा रहे हैं क्योकि समाज में कोई इन घटनाओं को रोकने के लिए आगे नही आ रहा है। अगर समाज जागरुक हो जाएगा तो इस पर रोक लग सकती है।आज भारत में ऐसे मामलों में इजाफा हो रहा है। ऐसी घटनाएं सभ्य समाज का अभिशाप बनती जा रही हैं। कन्या भ्रूण हत्या एक अपराध है मगर लोग निडर होकर बच्चियों को कूडेदानों व सुनसान जगहो पर फैंक रहे है यह पतन की पराकाष्ठा है अगर समय रहते इन घिनौने कार्य पर रोक नहीं लगाई तो आने वाला कल बहुत ही विनाशकारी होगा।ऐसी वारदातो से समाज का अहित होता है। यह एक चिन्ता का विषय बनता जा रहा है समाज के बुद्धिजीविओं को बालिकाओं केा बचाने के लिए चिंतन करना चाहिए।बेटा-बेटी के अन्तर को खत्म करना होगा। अगर हर मां-बाप यह सोच रखें की उसकी जो भी संतान होगी चाहे लड़का हो या लड़की उसका कत्ल नहीं किया जाएगा तो लिंग अनुपात में सुधार हो सकता है मगर समाज के लोगों को यह बात कौन समझायगा लोग अपनी मनमानी करते है अगर समाज के लोग सक्रिय हो जाएं जो इन लोगों पर नजर रखी जा सकती है जो लिंग जांच करवाने के बाद बेटियों का बेरहमी से कत्ल करवाते है समय-समय पर देश के राज्यों से ऐसे समाचार आते रहतें है ऐसे क्लिनिक चलाने वाले डाक्टरों को सजा ए मौत देनी चाहिए जो ऐसें नीच काम करते हैं । ऐसे लोगों को जल्लाद कहना गलत नहीं होगा जो जानबूझर अजन्मी कन्ययओं मौत के घाट उतार रहे हैं ।चंद मुठठी भर लोग समाज का वातावरण खराब कर रहे है। समाज में गरीब लोग मेहनत मजदूरी करके अपनी बच्चियों का पालन-पोषण कर रहे है ऐसे घिनौने कार्यों को सरमाएदार लोग ही अंजाम देते है।

प्लाईवुड उद्योग में गुणवत्ता की नई पहल, काशीपुर में उद्योग बैठक का आयोजन

पथ प्रवाह, देहरादून।

प्लाईवुड एवं लकड़ी आधारित उत्पादों में गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) के प्रभावी अनुपालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), देहरादून द्वारा शुक्रवार को काशीपुर में एक उद्योग बैठक (इंडस्ट्री मीट) का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम यूके-यूपी प्लाईवुड एसोसिएशन के सहयोग से संपन्न हुआ, जिसमें 50 से अधिक उद्योग हितधारकों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का उद्देश्य प्लाईवुड एवं लकड़ी आधारित उत्पादों के लिए लागू गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के प्रावधानों के प्रति उद्योग में जागरूकता बढ़ाना तथा भारतीय मानकों के अनुपालन को प्रोत्साहित करना रहा। बैठक में निर्माता, तकनीकी विशेषज्ञ एवं संबंधित क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीआईएस देहरादून के प्रमुख एवं निदेशक सौरभ तिवारी ने उत्पादों की गुणवत्ता, सुरक्षा एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करने में बीआईएस की भूमिका पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि प्लाईवुड एवं लकड़ी आधारित उत्पादों के लिए गुणवत्ता नियंत्रण आदेश भारत सरकार द्वारा अधिसूचित एवं लागू किया जा चुका है। उन्होंने उद्योग प्रतिनिधियों से उपभोक्ता हितों की सुरक्षा, उत्पाद गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए क्यूसीओ प्रावधानों का गंभीरता से अनुपालन करने का आह्वान किया।

यूके-यूपी प्लाईवुड एसोसिएशन की ओर से संदीप गुप्ता एवं आदित्य अग्रवाल ने कार्यक्रम में भाग लिया और उद्योग के दृष्टिकोण से अपने विचार साझा किए। वुड टेक्नोलॉजिस्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज ग्वारी ने भी बैठक में सहभागिता की। उल्लेखनीय है कि यूके-यूपी प्लाईवुड एसोसिएशन एवं वुड टेक्नोलॉजिस्ट्स एसोसिएशन दोनों ही बीआईएस की तकनीकी समितियों के सदस्य हैं और प्लाईवुड एवं लकड़ी आधारित उत्पादों से संबंधित भारतीय मानकों के निर्माण एवं पुनरीक्षण में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

तकनीकी सत्र के दौरान बीआईएस तकनीकी समिति के पूर्व सदस्य एवं लकड़ी प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ पुष्पेंद्र सिंघल ने प्लाईवुड उद्योग के समक्ष वर्तमान चुनौतियों, नवीन तकनीकी विकास एवं उभरते रुझानों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वहीं बीआईएस की प्रमाणीकरण प्रक्रियाओं, अनुरूपता मूल्यांकन आवश्यकताओं तथा नवीन दिशानिर्देशों पर संयुक्त निदेशक सचिन चौधरी द्वारा विस्तृत प्रस्तुति दी गई, जिससे प्रतिभागियों को अनुपालन प्रक्रिया की व्यावहारिक समझ मिली।

बैठक में हुए विचार-विमर्श से यह स्पष्ट हुआ कि उत्पाद गुणवत्ता में सुधार, नियामकीय अनुपालन को सुदृढ़ करने तथा प्लाईवुड उद्योग के सतत विकास के लिए बीआईएस एवं उद्योग संगठनों के बीच निरंतर सहयोग आवश्यक है। बीआईएस ने आश्वस्त किया कि वह जागरूकता कार्यक्रमों, तकनीकी मार्गदर्शन एवं सहयोगात्मक पहलों के माध्यम से उद्योग को आगे भी सहयोग प्रदान करता रहेगा।

एक नजर

सोने की नकली चूड़ियां थमा कर शोरूम संचालक को लगाया चूना

पथ प्रवाह, हरिद्वार। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र के ज्वेलरी शोरूम के संचालक से लाखों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि यहां एक व्यक्ति ने सोने की नकली चूड़ियों के बदले असली चूड़ियां बदलवाकर शोरूम संचालक को लाखों का चूना लगाया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक आर्यनगर चौक ज्वालापुर स्थित गुप्ता जी एंड संस ज्वेलर्स के संचालक शिवा मित्तल ने कोतवाली ज्वालापुर को तहरीर दी, जिसमें बताया कि 10 जनवरी को दोपहर करीब ढाई बजे दीपक कुमार उर्फ दीपक चौहान नाम का व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ शोरूम आया था। उसने 7.26 लाख रुपये की एक जोड़ी सोने की चूड़ियां खरीदीं। जाते समय कह गया था कि वह दो से तीन दिन में चूड़ियां बदल भी सकता है। आरोप है कि 18 जनवरी को आरोपी दोबारा आया और चूड़ियां बदलने की बात कही। आरोपी की लौटाई चूड़ियां डिजाइन, वजन, रंग और हॉलमार्क में बिल्कुल असली दिख रही थीं। ज्वेलर्स ने चूड़ियां वापस ले लीं और बदले में उतनी ही कीमत की नई सोने की चूड़ियां दे दीं। बताया कि तब आरोपी ने सोने की अंगूठी भी खरीदी। बीती 21 जनवरी को उन्हें नोएडा पुलिस से सूचना मिली कि एक्सचेंज में दी गई चूड़ियां नकली हैं, दीपक ने यह धोखाधड़ी की है। जिसके बाद शोरूम संचालक ने चूड़ियों की जांच करवाई, जांच में उनके नकली होने का पता चला। पीड़ित का कहना है कि उसके पास सीसीटीवी फुटेज, बिल और नकली चूड़ियों के सैंपल मौजूद हैं। कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि जल्द ही जांच कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान से 3.56 लाख से अधिक लोग लाभान्वित

पथ प्रवाह, देहरादून। प्रदेश में सुशासन को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में संचालित 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम आम जनता के लिए भरोसेमंद और प्रभावी पहल के रूप में सामने आया है। इस अभियान के तहत सरकार स्वयं जनता के बीच पहुंचकर समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित कर रही है। कार्यक्रम के अंतर्गत आज प्रदेश में कुल 7 कैम्प आयोजित किए गए, जिनमें 2933 नागरिकों ने सहभागिता कर विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याओं का मौके पर ही समाधान प्राप्त किया। इससे आम लोगों में इस अभियान के प्रति विश्वास और सहभागिता लगातार बढ़ रही है। अब तक कार्यक्रम की अवधि में प्रदेशभर में कुल 452 कैम्प आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 3,56,992 से अधिक नागरिक प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हुए हैं। इन कैम्पों में राजस्व, सामाजिक कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, पेंशन, प्रमाण पत्र और शिकायत निस्तारण जैसी अनेक सेवाएं एक ही मंच पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य योजनाओं को कागजों तक सीमित रखना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। यह अभियान शासन और जनता के बीच की दूरी को कम कर प्रशासनिक पारदर्शिता और जनविश्वास को मजबूत कर रहा है।

चिंतन शिविर में 'विजन उत्तराखंड 2047' पर गहन मंथन

अर्थव्यवस्था, रोजगार और अवसंरचना को समावेशी विकास की धुरी बताया

पथ प्रवाह, देहरादून।

उत्तराखंड को वर्ष 2047 तक एक समृद्ध, संतुलित और विकसित राज्य के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से राजपुर स्थित सिविल सर्विसेज इंस्टीट्यूट में आयोजित चिंतन शिविर में 'विजन उत्तराखंड 2047' पर गहन विचार-विमर्श किया गया। शिविर के अंतर्गत अर्थव्यवस्था एवं रोजगार तथा विकास सक्षमकर्ता एवं अवसंरचना विकास विषयों पर दो महत्वपूर्ण पैनल सत्र आयोजित किए गए।

चिंतन शिविर का मुख्य उद्देश्य राज्य के दीर्घकालिक, जलवायु-संवेदनशील, रोजगारोन्मुखी और समावेशी विकास के लिए ठोस एवं व्यवहारिक रणनीतियां तैयार करना रहा।

अर्थव्यवस्था एवं रोजगार

अर्थव्यवस्था एवं रोजगार विषयक पैनल की अध्यक्षता प्रमुख सचिव, नियोजन मीनाक्षी सुंदरम ने की, जबकि उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव विनय शंकर पांडेय सह-अध्यक्ष रहे। नीति आयोग के वरिष्ठ सलाहकार ने सत्र का संचालन किया।

पैनल में कृषि, उद्योग, पर्यटन, कौशल विकास और रोजगार को राज्य की आर्थिक प्रगति का आधार बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक–तीनों क्षेत्रों में संतुलित विकास से ही तेज, समावेशी और सतत विकास संभव है। भूमि के प्रभावी उपयोग, व्यवसाय सुगमता में सुधार, उच्च स्तरीय कौशल विकास आधारित प्रवासी आय अर्थव्यवस्था और जनसांख्यिकीय लाभांश के उपयोग पर विशेष बल दिया गया।

उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव ने पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था के संतुलन को उत्तराखंड की प्रमुख शक्ति बताते हुए क्लस्टर आधारित औद्योगिकीकरण, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों, बहुस्तरीय फैक्ट्रियों, तैयार आधारभूत ढांचे, एकल खिड़की प्रणाली और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त करने की आवश्यकता बताई।

विकास सक्षमकर्ता एवं अवसंरचना

द्वितीय पैनल की अध्यक्षता भी प्रमुख सचिव नियोजन ने की, जबकि सूचना प्रौद्योगिकी सचिव नितेश झा सह-अध्यक्ष रहे। सत्र का संचालन प्रोफेसर अशोक कुमार ने किया। इस पैनल में एकीकृत परिवहन व्यवस्था, स्वच्छ ऊर्जा, जलविद्युत, डिजिटल शासन, रोपवे परियोजनाएं, स्मार्ट शहरी नियोजन और सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल को विकास के प्रमुख चालक बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि उत्तराखंड का विजन 2047 जलवायु-सहनशील, तकनीक आधारित और सतत वित्तपोषित अवसंरचना पर निर्भर है। सूचना प्रौद्योगिकी सचिव ने 'पहाड़ से उच्च तकनीक' की अवधारणा के तहत कंप्यूटिंग, संपर्कता, संदर्भ, दक्षता और साइबर सुरक्षा पर आधारित पांच सूत्रीय ढांचे को राज्य के डिजिटल भविष्य की नींव बताया।

लोक निर्माण विभाग ने सभी मौसमों में चलने योग्य, जलवायु-सहनशील सड़कों, भूस्खलन न्यूनीकरण, सुरंगों और आधुनिक तकनीक आधारित परियोजना प्रबंधन पर जोर दिया। चिंतन शिविर में यह स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आया कि विजन उत्तराखंड 2047 का आधार संतुलित अर्थव्यवस्था, गुणवत्तापूर्ण रोजगार, पर्यावरण-संवेदनशील अवसंरचना, तकनीक आधारित शासन और पर्यावरण संरक्षण है। इन सभी के समन्वय से ही उत्तराखंड को समावेशी, सुदृढ़ और क्षेत्रीय रूप से संतुलित विकास की दिशा में अग्रसर किया जा सकता है। बैठक में शासन के वरिष्ठ अधिकारी, नीति एवं सेतु आयोग के प्रतिनिधि, तकनीकी विशेषज्ञ तथा निजी क्षेत्र के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शीतलहरी रात्रि में अचानक शहर के चौक-चौराहों पर पंहुच डीएम ने देखी अलाव व्यवस्था, रेनबसेरों में रहने वालों का जाना हाल

पथ प्रवाह, देहरादून

राजधानी देहरादून में लगातार हो रही बारिश एवं बढ़ती ठंड को दृष्टिगत रखते हुए शीतलहरी में रात्रि में जिलाधिकारी सविन बसंल शहर के चौक चौराहों पर पंहुच अलाव व्यवस्था देखी तथा इस दौरान उन्होंने रेनबसेरों में रहने वालों का हाल जाना तथा नगर निगम एवं तहसील प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने देहरादून में देर सांय चौक चौराहों पर अलाव व्यवस्था का औचक निरीक्षण करते हुए रैन बसेरों में रह रहे असहाय एवं जरूरतमंद लोगों का हाल चाल जाना।

जिलाधिकारी ने रैन बसेरा का निरीक्षण कर वहां ठहरे लोगों से बातचीत की तथा उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने नगर निगम एवं तहसील प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए कि ठंड के मौसम में कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति असुविधा का शिकार न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। सभी चौक चौराहो पर अलावा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए इसकी दैनिक सूचना उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा असहाय, निराश्रित एवं बेघर लोगों की सहायता के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ठंड एवं बारिश के दौरान रैन बसेरों में रह रहे लोगों को पर्याप्त कंबल, भोजन एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि रैन बसेरों की नियमित निगरानी की जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त व्यवस्थाएं तत्काल की जाएं, जिससे किसी भी व्यक्ति को ठंड से प्रभावित न होना पड़े। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर हरिगिरी, डीडीएमओ ऋषभ कुमार मौजूद रहे।

कण्वाश्रम में चक्रवर्ती सम्राट राजा भरत की भव्य मूर्ति का लोकार्पण

पथ प्रवाह, कोटद्वार

बसंत पंचमी के पावन अवसर पर कोटद्वार स्थित ऐतिहासिक एवं पौराणिक स्थल कण्वाश्रम में चक्रवर्ती सम्राट राजा भरत की भव्य मूर्ति का विधिवत उद्घाटन किया गया। उत्तराखंड विधानसभा की अध्यक्ष एवं कोटद्वार विधायक ऋतु खण्डूडी भूषण ने मूर्ति का लोकार्पण कर इसे जनसमर्पित किया।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के अंतर्गत कण्वाश्रम में 'महाराज भरत की मूर्ति स्थापना एवं मंच निर्माण कार्य' को पूर्ण किया गया है। लगभग 79.74 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस परियोजना से कण्वाश्रम को पर्यटन के मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्राप्त होगी।

ऋतु खण्डूडी भूषण ने कहा कि कण्वाश्रम को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। मूर्ति स्थापना के साथ-साथ यहां पर्यटकों के आकर्षण हेतु सेल्फी प्वाइंट एवं आकर्षक पेंटिंग का निर्माण भी किया गया है, जिससे यह स्थल श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए और

अधिक मनोहारी बन सकेगा।

कार्यक्रम के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने कण्वाश्रम महोत्सव में भी सहभागिता की और प्रसिद्ध लोकगायक डॉ. प्रीतम भरतवाण के लोकगीतों का आनंद लिया। उन्होंने वर्षा के बावजूद बड़ी संख्या में उपस्थित क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पौराणिक मेले, उत्सव और सांस्कृतिक आयोजन हमारी सभ्यता और सांस्कृतिक विरासत के सशक्त माध्यम हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीडियो संदेश के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी को बसंत पंचमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कण्वाश्रम के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं पौराणिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि राज्य सरकार पौराणिक स्थलों को पर्यटन और रोजगार से जोड़कर उन्हें सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री ने कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण विकास घोषणाएं भी कीं, जिनमें मोटाढांग नगरी एवं हल्दुखाता पेयजल योजनाओं की पाइपलाइन का सुदृढ़ीकरण, राजकीय इंटर कॉलेज में अतिरिक्त कक्षों एवं चारदीवारी का निर्माण, खोह नदी के दाएं तट पर बाढ़ सुरक्षा कार्य, दुगड्डा क्षेत्र में सुखरो नदी तट पर मार्ग निर्माण, चिल्लरखाल-सिगड्डी-कोटद्वार-पाखरो मोटर मार्ग के निर्माण कार्य तथा शशिधर भट्ट स्टेडियम का जीर्णोद्धार शामिल है।

कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष राजगौरव नौटियाल, प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह बिष्ट, महापौर शैलेंद्र रावत, राज्य मंत्री ऋषि कंडवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पार्षदगण, पार्टी पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक नजर

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने विभिन्न विकास योजनाओं के लिए 11.80 करोड़ की धनराशि स्वीकृत

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के समग्र विकास को गति देने के उद्देश्य से विभिन्न विकास योजनाओं हेतु कुल 11.80 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की है। इन योजनाओं में आगामी कुम्भ मेला-2027 की अवस्थापना सुविधाओं के विकास के साथ-साथ प्रदेश के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में संपर्क मार्गों, सड़कों, स्थायी रैन बसेरों, विभागीय भवनों तथा पार्कों के निर्माण कार्य शामिल हैं। कुम्भ मेला-2027 के अंतर्गत जनपद हरिद्वार के विकास खंड बहादराबाद में चंडी देवी मंदिर क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधा एवं आवागमन विकास योजना (प्रथम चरण) के निर्माण कार्य हेतु 3.53 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके साथ ही मनसा देवी मंदिर मार्ग संख्या-1 एवं 2 पर श्रद्धालु अनुकूल सुविधाओं तथा आवागमन विकास कार्य के लिए 2.19 करोड़ की धनराशि मंजूर की गई है। जनपद पौड़ी के विधानसभा क्षेत्र यमकेश्वर में नगर पालिका दुगड्डा क्षेत्र के अंतर्गत निराश्रित व्यक्तियों के लिए एक स्थायी रैन बसेरा निर्माण हेतु 70.55 लाख की स्वीकृति दी गई है। वहीं जनपद चम्पावत के विधानसभा क्षेत्र चम्पावत में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बनबसा परिसर में पार्क निर्माण के लिए 70.55 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसके अतिरिक्त जिला कमांडेंट, होमगार्ड कार्यालय उत्तरकाशी के अनावासीय भवन निर्माण हेतु 2.74 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके अलावा जनपद पिथौरागढ़ के विधानसभा क्षेत्र पिथौरागढ़ अंतर्गत विकास खंड मूनाकोट की ग्राम सभा घुर्चु में आंतरिक सीसी मार्ग एवं संपर्क मार्ग निर्माण हेतु 96.39 लाख तथा घुर्चु गोरिला मंदिर से असुरदेव-कांडा होते हुए बन्दा तक संपर्क मार्ग निर्माण हेतु 97.37 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है। इन योजनाओं से प्रदेश में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा और आमजन को सीधा लाभ मिलेगा।

अपर्णा यादव ने वसंत पंचमी पर किया हरिद्वार में गंगा स्नान

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वसंत पंचमी के पर्व पर भाजपा नेत्री व स्व. मुलायम सिंह यादव की छोटी पुत्र वधू अपर्णा यादव हरिद्वार पहुंची। यहां उन्होंने यूपी सिंचाई विभाग के वीआईपी घाट पर गंगा स्नान किया। अपर्णा यादव राज्य महिला आयोग उत्तर प्रदेश की उपाध्यक्ष भी है। इस दौरान वह मीडिया के सवालों से बचती दिखायी दी। उन्होंने वहां पहुंचे मीडिया कर्मियों से किसी भी तरह की बात करने से इंकार कर दिया।

डीएवी फर्टिलाइज़र पब्लिक स्कूल बबराला में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया वसंत पंचमी पर्व

पथ प्रवाह, बबराला (संभल)। डीएवी फर्टिलाइज़र पब्लिक स्कूल, बबराला, संभल में वसंत पंचमी के पावन पर्व के अवसर पर विद्यालय परिसर में श्रद्धा, उल्लास और आध्यात्मिक वातावरण के बीच भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य आनंद स्वरूप सारस्वत द्वारा दीप प्रज्वलन कर मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। पूजा-अर्चना के उपरांत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना ने समूचे वातावरण को ज्ञान, साधना और संस्कारों से ओतप्रोत कर दिया। विद्यार्थियों की सुमधुर एवं भावपूर्ण प्रस्तुति ने उपस्थित अभिभावकों, शिक्षकों और छात्र-छात्राओं को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर प्राचार्य आनंद स्वरूप सारस्वत ने अपने प्रेरक संबोधन में वसंत पंचमी के सांस्कृतिक, शैक्षिक और आध्यात्मिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वसंत पंचमी ज्ञान, विद्या, कला, संगीत और सृजनात्मकता का प्रतीक पर्व है। उन्होंने विद्यार्थियों को पठन-पाठन के साथ-साथ खेल, संगीत और अन्य सहशैक्षिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य ने कहा कि जिस प्रकार वसंत ऋतु प्रकृति में नवचेतना, सौंदर्य और सकारात्मक परिवर्तन लाती है, उसी प्रकार विद्यार्थियों को अपने विचारों, आचरण और कर्मों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लेना चाहिए।

पत्नी की कुल्हाड़ी से निर्मम हत्या, पति को आजीवन कारावास की सजा

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

पत्नी की बेरहमी से हत्या करने के मामले में न्यायालय ने दोषी पति को कड़ी सजा सुनाई है। तृतीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार सिंह की अदालत ने आरोपी पति जगपाल को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास एवं 11 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

शासकीय अधिवक्ता कुशल पाल सिंह चौहान ने बताया कि यह मामला 1 फरवरी 2021 का है। वादी वेदपाल पुत्र मुकुन्दा, निवासी महाराजपुर, लक्सर द्वारा थाना पथरी में मुकदमा दर्ज कराया गया था। तहरीर में बताया गया कि उसकी पुत्री ममता का विवाह लगभग 15 वर्ष पूर्व ग्राम शिवगढ़, थाना पथरी निवासी जगपाल पुत्र आशा से हुआ था। दंपति के पांच बच्चे थे। वेदपाल ने आरोप लगाया कि जगपाल आए दिन ममता के साथ मारपीट करता था। पति की प्रताड़ना से तंग आकर ममता कई बार मायके में आकर रहने लगी थी। हालांकि हर बार जगपाल अपनी गलती स्वीकार कर ममता को मनाकर वापस ले जाता था, लेकिन उसके व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ और वह लगातार ममता को परेशान करता रहा।

घटना वाले दिन सुबह करीब 8 से 9 बजे के बीच जगपाल ने अपने ही बच्चों के सामने ममता की कुल्हाड़ी से बेरहमी से हत्या कर दी। सुबह करीब 10 बजे परिजनों को घटना की सूचना मिली। हत्या के बाद आरोपी ने सबूत मिटाने का प्रयास किया, कमरे में शव को बंद किया और बच्चों को धमकाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर उसी रात आरोपी जगपाल को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर ममता का खून से सना स्वेटर बरामद किया गया। इसके अलावा हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी पुलिस ने मौके से बरामद की।

मामले की विवेचना के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से कुल 13 गवाहों के बयान न्यायालय में कराए गए। गवाहों, साक्ष्यों और दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद न्यायालय ने आरोपी को दोषी पाया। अदालत ने अपने निर्णय में कहा कि यह जघन्य अपराध है और इसमें कोई रियायत नहीं दी जा सकती।

न्यायालय ने आरोपी जगपाल को आजीवन कारावास की सजा के साथ 11 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। फैसले के बाद पीड़ित पक्ष ने न्यायालय के निर्णय पर संतोष व्यक्त किया है।

परिवहन विभाग के अधिकारियों ने हाथों में थामी झाड़ू, हाइवे से साफ किया कचरा

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

तीर्थ नगरी हरिद्वार को स्वच्छ बनाए जाने के लिए जिला प्रशासन कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। पिछले दो महीने 6 दिन से जनपद हरिद्वार यह अभियान शहर से लेकर गांव तक लगातार चलाया जा रहा है। शुक्रवार को धर्मनगरी में खराब मौसम के बावजूद अभियान जारी रहा। हाइवे पर परिवहन विभाग और एनएचएआई के अधिकारियों ने स्वयं अपने हाथ में झाड़ू पकड़कर अभियान में सहयोग किया। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित इस अभियान की स्वयं निगरानी कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने विभागवार रोस्टर भी तैयार किया है। शुक्रवार को परिवहन विभाग और एनएचएआई द्वारा संयुक्त रूप से स्वच्छता अभियान चलाया गया। एआरटीओ निखिल शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री के 'हरिद्वार स्वच्छ हो अपना' के संकल्प को साकार करने की दिशा में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें एआरटीटो प्रशासन, एआरटीओ प्रवर्तन और समस्त कार्यालय स्टाफ के

अलावा इंटरसेप्टर टीम हरिद्वार, टास्क फोर्स गोवर्धनपुर एवं चिड़ियापुर, एनएचएआई रूड़की और नजीबाबाद के अलावा एनएच - 334ए की सक्रिय सहभागिता रही। इस दौरान हरिद्वार-दिल्ली, हरिद्वार-लक्सर एवं हरिद्वार-नजीबाबाद राष्ट्रीय राजमार्गों पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। सड़क किनारों, सर्विस लेन, डिवाइडर, बस स्टॉप, सार्वजनिक स्थलों पर जमा कचरे की साफ-सफाई कराई गई तथा अपशिष्ट का सुरक्षित निस्तारण सुनिश्चित किया गया। आमजन, वाहन चालकों और दुकानदारों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। वाहनों में गार्बेज बैग रखने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं दूसरी शहरी क्षेत्र में नेचर फाउंडेशन और नगर निगम द्वारा गंगा घाटों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान लोगों को जागरूक किया गया कि वह अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें।

मोहम्मद यूनुस की 'कठपुतली सरकार' को उखाड़ फेंकने के लिए एकजुट हों सभी बंगलादेशवासी : शेख हसीना

नयी दिल्ली। बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शुक्रवार को बंगलादेश की मौजूदा एवं अंतरिम सरकार पर देश को अराजकता में धकेलने और लोकतंत्र को गंभीर खतरे में डालने का आरोप लगाया।

उन्होंने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में ऑडियो लिंक के माध्यम से अपनी बात रखते हुए कहा कि राष्ट्र को मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली इस 'कठपुतली सरकार' को उखाड़ फेंकने के लिए एकजुट होकर उठ खड़ा होना चाहिए। उन्होंने 1971 की मुक्ति संग्राम की भावना का समर्थन करने वाली सभी ताकतों से आह्वान किया कि वे यूनुस शासन के 'विश्वासघाती मंसूबों' का डटकर मुकाबला करें।

अवामी लीग की प्रमुख ने आरोप लगाया कि पांच अगस्त, 2024 को उन्हें सत्ता से हटाए जाने के बाद से बंगलादेश एक ऐसी 'विश्वासघाती साजिश' का सामना कर रहा है, जिसका मकसद देश की क्षेत्रीय अखंडता का सौदा करना है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि बंगलादेश की संप्रभुता और एकता खतरे में है और आज यह एक ऐसा राष्ट्र बन गया है जो 'खून के आंसू रो रहा है'।

सुश्री हसीना ने यह भी दावा किया कि उग्रवादियों और मोहम्मद यूनुस ने उन्हें जबरन सत्ता से बेदखल किया और उस दिन से पूरा देश निरंतर हिंसा, दमन और आर्थिक संकट की चपेट में है, जिससे लोकतांत्रिक संस्थाएं व्यवस्थित रूप से कमजोर हो गई हैं। सुश्री हसीना ने वर्तमान बंगलादेश की तुलना एक 'विशाल जेल' से करते हुए कहा कि वहां आम लोग दैनिक हिंसा, असुरक्षा और आर्थिक तंगी के बीच जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने मौजूदा शासन के तहत महिलाओं और अल्पसंख्यकों पर बढ़ते हमलों पर गहरी चिंता व्यक्त की और एक गैर-पक्षपाती सरकार की बहाली की मांग की।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने किया नगर में पार्किंग व्यवस्था और कूड़ेदानों की स्थिति का निरीक्षण

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने नगर क्षेत्र का स्थलीय भ्रमण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने शिखर होटल के निकट स्थित नगर निगम पार्किंग का निरीक्षण करते हुए पार्किंग में अग्नि सुरक्षा के उपायों, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, पानी की आपूर्ति तथा अव्यवस्थित रूप से खड़ी गाड़ियों की स्थिति पर नाराजगी जताते हुए सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पार्किंग में गंदगी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ।

इसके उपरांत जिलाधिकारी द्वारा जीआईसी स्थित पार्किंग का भी निरीक्षण किया गया तथा उक्त पार्किंग को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। जिलाधिकारी ने नगर के प्रमुख स्थलों पर स्थापित कूड़ेदानों की स्थिति का भी निरीक्षण किया। टैक्सी स्टैंड तिराहे से चौघानपाटा तक स्थलीय भ्रमण करते हुए उन्होंने कूड़ेदानों की उपलब्धता, उनकी स्थिति का अवलोकन किया तथा कूड़ेदानों के समीप सीसीटीवी कैमरे एवं चेतावनी बोर्ड लगाए जाने के निर्देश दिए। नगर में कूड़ा प्रबंधन को और प्रभावी बनाने हेतु कंट्रोल रूम स्थापित कर निगरानी किए जाने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने आमजन से अपील की कि वे कूड़ा निर्धारित कूड़ेदानों में ही डालें तथा नगर को स्वच्छ बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। निरीक्षण के दौरान मेयर अजय वर्मा, नगर आयुक्त सीमा विश्वकर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

दुकान पर काम करने को मजबूर 2 बेटियां अब अपने शिक्षा के पंखों से भर सकेंगी भविष्य की उड़ान

पथ प्रवाह, देहरादून

बालश्रम एवं भिक्षावृत्ति के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे सघन अभियान के अंतर्गत रेस्क्यू किए गए बच्चों के पुनर्वास एवं उज्वल भविष्य की दिशा में प्रशासन का आधुनिक इंटेंसिव केयर सेंटर (छूष्ट) एक प्रभावी और मानवीय पहल के रूप में सामने आया है। यह केंद्र परिस्थितियों से वीरान हो चुके बचपन को नई दिशा, सुरक्षा और शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इसी क्रम में सहस्त्रधारा रोड क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान एक दुकान में काम करती हुई दो नाबालिग बालिकाएं पाई गई। तत्काल कार्रवाई करते हुए जिला प्रशासन की टीम द्वारा दोनों बालिकाओं को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू के उपरांत बालिकाओं की काउंसलिंग की गई, जिससे उनके मानसिक एवं भावनात्मक पक्ष को समझा जा सके। साथ ही उनके माता-पिता से संवाद स्थापित कर उन्हें बालश्रम के दुष्परिणामों, बच्चों के अधिकारों तथा शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। सहस्त्रधारा रोड एक दुकान में काम करती हुई दो लड़कियाँ पाई गई। उनकी काउंसलिंग की गई तथा उनके माता-पिता से बातचीत की गई। इसके बाद उनका आईसीसी में नामांकन कराया गया और उन्हें साधुराम इंटर कॉलेज में मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ा गया। साथ ही उन्हें किताबें, बैग और जूते भी वितरित किए गए। सभी आवश्यक प्रक्रियाओं के पश्चात दोनों बालिकाओं का जिला प्रशासन के इंटेंसिव केयर सेंटर में नामांकन कराया गया, जहां उन्हें संरक्षण, परामर्श एवं शैक्षणिक मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। इसके बाद बालिकाओं को साधुराम इंटर कॉलेज में नामांकित कर औपचारिक रूप से शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा गया।

जिला प्रशासन द्वारा बालिकाओं को पढ़ाई में किसी भी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए उन्हें आवश्यक शैक्षणिक सामग्री जैसे किताबें, स्कूल बैग एवं जूते भी उपलब्ध कराए गए। यह पहल न केवल बच्चों के वर्तमान को सुरक्षित कर रही है, बल्कि उनके भविष्य को भी सशक्त बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है।

जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशानुसार जनपद में बालश्रम एवं भिक्षावृत्ति के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है। रेस्क्यू किए गए प्रत्येक बच्चे के समग्र पुनर्वास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं मानसिक विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। इंटेंसिव केयर सेंटर के माध्यम से बच्चों को योग, संगीत, खेल आदि गतिविधि से एक सुरक्षित वातावरण प्रदान कर शिक्षा के मुख्य धारा से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं आत्मविश्वासी नागरिक बनाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि बालश्रम एवं भिक्षावृत्ति में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी, जबकि रेस्क्यू किए गए बच्चों को हर संभव सहायता प्रदान कर बच्चों का भविष्य संवारा जाएगा।

एक नजर

बारिश ने फीका किया बसंत पंचमी का उत्साह, हरिद्वार के आसमान में नहीं उड़ी पतंग

पथ प्रवाह, हरिद्वार। बसंत पंचमी के पावन पर्व पर जहां आमतौर पर हरिद्वार के आसमान में रंग-बिरंगी पतंगें छाई रहती हैं, वहीं इस वर्ष मौसम की मार ने उत्सव का रंग फीका कर दिया। लगातार हुई बारिश के चलते शहर के आसमान में पतंगें नहीं उड़ सकीं, जिससे पतंगबाजों और बच्चों में खासा निराशा देखने को मिली।

बसंत पंचमी के अवसर पर हरिद्वार में पतंग उड़ाने की परंपरा वर्षों से चली आ रही है। गंगा घाटों, छतों और खुले मैदानों में लोग परिवार और मित्रों के साथ पतंगबाजी का आनंद लेते हैं, लेकिन इस बार सुबह से ही बादलों की आवाजाही और रुक-रुक कर हुई बारिश ने लोगों को घरों में ही रहने को मजबूर कर दिया।

स्थानीय पतंग विक्रेताओं का कहना है कि इस त्योहार से पहले अच्छी बिक्री की उम्मीद थी, लेकिन बारिश के कारण कारोबार पर भी असर पड़ा। बच्चों द्वारा खरीदी गई पतंगें और मांझा घरों में ही पड़े रह गए।

हालांकि बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं ने बसंत पंचमी के धार्मिक पक्ष को पूरे श्रद्धा भाव से निभाया। मंदिरों में मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की गई और लोगों ने सुख-समृद्धि की कामना की।

मौसम की बेरुखी के कारण इस वर्ष बसंत पंचमी का उल्लास हरिद्वार में सीमित रह गया, लेकिन लोगों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में मौसम साफ होगा और पतंगबाजी का आनंद फिर से लौटेगा।

उत्तराखंड के पर्वतीय अंचलों पर कुदरत का तोहफा

पथ प्रवाह, देहरादून

उत्तराखंड के पर्वतीय अंचलों में शुक्रवार को मौसम ने अचानक ऐसा रूप दिखाया कि पहाड़ों की धड़कनें थम सी गई। सुबह से शुरू हुई जबरदस्त बर्फबारी ने चारधाम समेत ऊंचाई वाले इलाकों को पूरी तरह सफेद चादर में लपेट लिया। गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ धाम में जमकर हिमपात हुआ, जिससे धाम क्षेत्रों में शीतलहर का प्रकोप और तेज हो गया।

पहाड़ों की रानी मसूरी, धनोल्टी और आसपास के क्षेत्रों में बर्फ से ढकी सड़कों, देवदार के पेड़ों और पहाड़ियों ने अद्भुत नजारा पेश किया। अचानक बदले मौसम ने जहां स्थानीय लोगों को सतर्क कर दिया, वहीं मसूरी और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पहुंचे सैलानियों के लिए यह बर्फबारी किसी सपने के सच होने जैसी रही। पर्यटक बर्फ के बीच तस्वीरें लेते और वीडियो बनाते नजर आए। उत्तरकाशी और पौड़ी जिलों के ऊंचाई वाले इलाकों में भी रुक-रुक कर बर्फबारी दर्ज की गई, जबकि निचले क्षेत्रों में बारिश का दौर चला। चारधाम क्षेत्रों में तापमान शून्य से नीचे पहुंचने से ठंड ने लोगों की दिनचर्या प्रभावित कर दी है।

बर्फबारी के चलते कई संपर्क मार्गों पर फिसलन बढ़ गई है, जिससे यातायात प्रभावित हुआ है। प्रशासन ने यात्रियों और स्थानीय निवासियों से सावधानी बरतने और मौसम विभाग की चेतावनियों का पालन करने की अपील की है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले घंटों में ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी का सिलसिला जारी रह सकता है। यह हिमपात उत्तराखंड की वादियों को जहां कड़ाके की ठंड दे रहा है, वहीं प्रकृति की बेमिसाल खूबसूरती भी बिखेर रहा है।

चुनाव प्रबंधन निकायों का तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन 'दिल्ली घोषणा-2026' के साथ सम्पन्न

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग द्वारा लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन पर यहां आयोजित तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन (आईआईसीडीईएम-2026) शुक्रवार को ' दिल्ली घोषणा -2026' के साथ सम्पन्न हुआ जिसमें 42 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों ने अन्य बातों के अलावा मतदाता सूचियों की शुद्धता, चुनाव संचालन, प्रौद्योगिकी के उपयोग और क्षमता निर्माण के क्षेत्र में मिल कर काम करने का संकल्प लिया है।

भारत मंडपम में आयोजित इस सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और उनके सहयोगी चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू एवं डॉ. विवेक जोशी, 42 देशों निर्वाचन प्रबंधन निकायों के प्रमुख, 70 से अधिक राष्ट्रीय संस्थानों के विशेषज्ञ, चुनाव आयोग के वरिष्ठ अधिकारी तथा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 36 मुख्य चुनाव अधिकारी उपस्थित थे।

समापन सत्र में मुख्य चुनाव आयुक्त श्री कुमार ने ' दिल्ली घोषणा 2026' को पढ़ा और सम्मेलन में शामिल सभी निर्वाचन प्रबंधन निकायों की ओर से इसे सर्वसम्मति से अपनाया गया। इस घोषणा पत्र में चुनाव निकायों ने पांच क्षेत्रों–निर्वाचक नामावलियों की शुद्धता, चुनावों का संचालन, अनुसंधान एवं प्रकाशन, प्रौद्योगिकी का उपयोग तथा प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण–पर मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया है।

प्रतिभागियों ने अपनी प्रगति की समय-समय पर समीक्षा करने तथा 3, 4 और 5 दिसंबर 2026 को भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम), नई दिल्ली में पुनः बैठक करने का प्रस्ताव भी पारित किया।

चुनाव आयोग की एक विज्ञप्ति के अनुसार उपस्थित सभी चुनाव प्रबंधन निकायों ने विश्व के लोकतंत्रों पर सह-संकलित लोकतंत्र विश्वकोश प्रकाशित करने, सात विषयों पर व्यापक रिपोर्ट तथा 36 विषयों पर रिपोर्ट तैयार करने पर का निर्णय लिया है। इनमें सात विषयों पर व्यापक रिपोर्ट तैयार किये जाने का काम वैश्विक अंतर-सरकारी संस्था इंटरनेशनल आईडीईए के नेतृत्व में तथा 36 अन्य विषयों पर रिपोर्ट बनाने के काम का नेतृत्व आईआईआईडीईएम कर रहा है।

राष्ट्रीय मंच पर हरिद्वार पुलिस का परचम, कोतवाली ज्वालापुर उत्तराखण्ड के बेस्ट पुलिस स्टेशनों में शुमार

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

अपराध नियंत्रण, उत्कृष्ट विवेचना और जनसेवा के उच्च मानकों पर खरा उतरकर कोतवाली ज्वालापुर ने राष्ट्रीय पहचान बनायी है। कोतवाली ज्वालापुर उत्तराखंड के बेस्ट पुलिस स्टेशनों में शामिल हो गई है। गणतंत्र दिवस पर राज्यपाल द्वारा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कुंदन सिंह राणा को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। भारत सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर चयनित किए जाने वाले बेस्ट पुलिस स्टेशन की सूची में इस वर्ष उत्तराखंड में जनपद हरिद्वार की कोतवाली ज्वालापुर का चयन हुआ है। यह चयन उत्तराखंड राज्य की पुलिस के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में कोतवाली ज्वालापुर के थाना प्रभारी को आगामी गणतंत्र दिवस समारोह, परेड ग्राउंड देहरादून में राज्यपाल द्वारा उत्कृष्टता प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष पूरे

भारतवर्ष के थानों का भौतिक रूप से निरीक्षण किया जाता है जिसमें मनको के अनुसार बेस्ट पुलिस स्टेशन की सूची जारी की जाती है, जिसका मुख्य उद्देश्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने हेतु गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं उत्कृष्ट पुलिसिंग करने वाले पुलिस स्टेशनों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करना होता है।

इस चयन प्रक्रिया में कई महत्वपूर्ण मानकों का मूल्यांकन किया जाता है, जिसमें अपराध नियंत्रण एवं रोकथाम को प्रमुख आधार माना जाता है, जिसमें कुल अपराध दर में कमी, संगठित अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण तथा हत्या, लूट, डकैती, बलात्कार जैसे गंभीर अपराधों का समयबद्ध खुलासा, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों का उपयोग, दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी, विवेचनाधीन एवं पुराने लंबित मामलों का त्वरित निस्तारण तथा समय से चार्जशीट दाखिल करना महत्वपूर्ण मानक होते हैं। कानून-व्यवस्था प्रबंधन के अंतर्गत संवेदनशील व भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में प्रभावी पुलिसिंग, त्योहारों, मेलों, जुलूसों एवं आपात परिस्थितियों में सफल व्यवस्था तथा तनावपूर्ण स्थितियों पर त्वरित नियंत्रण की क्षमता का भी मूल्यांकन किया जाता है। इसके अतिरिक्त, जनता से शालीन, संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार, शिकायतों का समयबद्ध समाधान, जनसुनवाई व बीट पुलिसिंग के माध्यम से जनसंतोष सुनिश्चित करना चयन प्रक्रिया का अहम हिस्सा है। महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों एवं कमजोर वर्ग की सुरक्षा, साइबर एवं तकनीकी अपराधों पर त्वरित व प्रभावी कार्रवाई, आधुनिक तकनीक आधारित पुलिसिंग एवं स्मार्ट पुलिसिंग पहल, थाना परिसर की स्वच्छता, प्रशासनिक दक्षता तथा मानवाधिकारों का सम्मान जैसे मानकों को भी समग्र रूप से परखा जाता है। कोतवाली ज्वालापुर का यह राष्ट्रीय स्तर पर चयन हरिद्वार पुलिस की प्रतिबद्धता, कर्मठता और जनसेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक है। यह उपलब्धि भविष्य में और बेहतर पुलिसिंग के लिए प्रेरणा का कार्य करेगी।

एक नजर

बसंत पंचमी पर संगम में उमड़ा आस्था का सैलाब, 3.56 करोड़ से अधिक ने लगायी पवित्र डुबकी

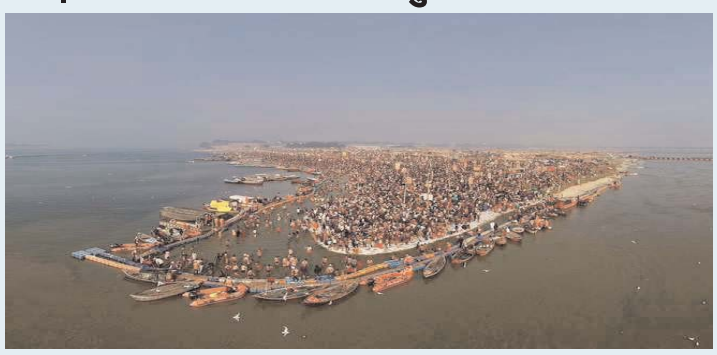

प्रयागराज। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर तीर्थराज प्रयाग स्थित अविरल-निर्मल त्रिवेणी संगम में आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। सरकार के अनुसार इस अवसर पर 3.56 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने पुण्य स्नान किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि विद्या, विवेक और चेतना के उत्सव के इस शुभ दिन सनातन संस्कृति के दिव्य आलोक से दीप्त संगम तट पर 3.56 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने पुण्य स्नान किया।

योगी ने पवित्र स्नान करने वाले समस्त पूज्य साधु-संतों, धर्माचार्यों, कल्पवास हेतु पधारे साधकों एवं देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं का कोटिशः अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि यह विराट जनसमागम सनातन संस्कृति की जीवंत परंपरा और जनआस्था की अपार शक्ति का प्रतीक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पावन स्नान पर्व को सकुशल एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने में सहयोग देने वाले पूज्य अखाड़ों, स्थानीय प्रशासन, पुलिस प्रशासन, मेला प्रबंधन, स्वच्छता सेवकों, स्वयंसेवी संगठनों, नाविक बंधुओं तथा प्रदेश सरकार के सभी विभागों के प्रति साधुवाद व्यक्त किया। उन्होंने प्रदेशवासियों को इस सफल आयोजन के लिए हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि सरकार श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छता के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

जसप्रीत बुमराह के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 10 साल पूरे

नयी दिल्ली। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शुक्रवार को क्रिकेट के सबसे ऊँचे लेवल पर एक दशक पूरा होने का जश्न मनाया, जिसमें उन्होंने एक जोशीले युवा फ़ैन से खेल के सबसे असरदार गेंदबाज़ों में से एक बनने के अपने सफर के बारे में बताया। एक इंस्टाग्राम पोस्ट में, बुमराह ने लिखा, 'उस बच्चे के सपने को जीने के 10 साल, जिसे उस खेल से प्यार हो गया जिसने उसे ऐसा महसूस कराया जैसा इस दुनिया में कुछ भी नहीं करा सकता,' उन्होंने आगे कहा कि सोच और सोच के ख़िलाफ़ जाने का उनका सफ़र परिवार और विश्वास के सपोर्ट से जारी है। बुमराह ने जनवरी 2016 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था, जहाँ वह टी20 सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे। पिछले एक दशक में, दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने दुनिया भर के क्रिकेट के सभी फ़ॉर्मेट में सबसे असरदार गेंदबाज़ों में से एक का नाम कमाया है। वह टेस्ट, वनडे और टी20 में आईसीसी मेन्स प्लेयर रैंकिंग में नंबर 1 रैंकिंग हासिल करने वाले पहले बॉलर हैं, और तीनों फॉर्मेट में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बॉलर हैं। बुमराह घरेलू क्रिकेट में गुजरात और इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस को रिप्रेजेंट करते हैं। भारतीय तेज गेंदबाजों में, वह सबसे तेज 200 टेस्ट विकेट और दूसरे सबसे तेज 100 वनडे विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 2024 टी20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई, जहां 4.17 की इकॉनमी रेट से 15 विकेट लेने के बाद उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। बुमराह 2016 में एक कैलेंडर साल में टी20 में 28 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर भी थे। उन्होंने 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू किया और तब से लीडरशिप की जिम्मेदारी संभाली है, दिसंबर 2023 से भारत के टेस्ट वाइस-कैप्टन के तौर पर काम कर रहे हैं और रेगुलर कप्तान रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में तीन मौकों पर टीम को लीड किया है। उनके करियर की उपलब्धियों में 2018 और 2024 में आईसीसी मेन्स टेस्ट टीम ऑफ़ द ईयर, 2017 और 2018 में आईसीसी मेन्स वनडे टीम ऑफ द ईयर और 2024 में आईसीसी मेन्स टी20 टीम ऑफ द ईयर में चुना जाना शामिल है। उन्हें आईसीसी मेन्स टी20 टीम ऑफ़ द डिकेड (2011-2020) में भी चुना गया था, उन्होंने तीन बार पॉली उमरीगर अवॉर्ड जीता है और 2022 में विजडन के क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर में शामिल किया गया था।

नंदा गौरा योजना: पौड़ी की बेटियां बन रहीं आत्मनिर्भर, हजारों परिवारों को मिला संबल

पथ प्रवाह, पौड़ी।

पहाड़ की बेटियों के सपनों को साकार करने में नंदा गौरा योजना जनपद पौड़ी गढ़वाल में उम्मीद की एक सशक्त मिसाल बनकर उभरी है। शिक्षा से लेकर आत्मनिर्भरता तक, यह योजना न केवल आर्थिक सहयोग प्रदान कर रही है, बल्कि समाज में लैंगिक असमानता को दूर करने, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने, मातृत्व मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने तथा बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी निर्णायक भूमिका निभा रही है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी देवेंद्र थपलियाल ने बताया कि योजना की जड़ें प्रथम चरण अर्थात् बालिका के जन्म से ही सशक्त की जा रही हैं। इसी क्रम में जन्म के समय इस वर्ष 227 बालिकाओं को प्रति बालिका 11 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है, जिस पर 24 लाख 25 हजार रुपये व्यय हुए। इससे न केवल संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहन मिला है, बल्कि परिवारों में बालिका के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण भी विकसित हुआ है।

उन्होंने बताया कि योजना के द्वितीय चरण के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद की 1990 इंटरमीडिएट उत्तीर्ण बालिकाओं को प्रति बालिका 51 हजार रुपये की सहायता

प्रदान की गयी। इसके माध्यम से कुल 10 करोड़ 14 लाख 90 हजार रुपये सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंच रहे हैं, जिससे उच्च शिक्षा और कैरियर निर्माण को मजबूती मिल रही है। नन्दा गौरा योजना के अंतर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल में वर्ष 2021 से 2026 तक बालिकाओं को निरंतर लाभान्वित किया गया है। इस अवधि में योजना के प्रथम चरण में कुल 2207 बालिकाएं, जबकि द्वितीय चरण में 12,874 बालिकाएं लाभान्वित हुईं। इस प्रकार पांच वर्षों में कुल 15,081 बालिकाओं को योजना का प्रत्यक्ष लाभ मिला। वर्ष 2021-22 में कुल 4278, 2022-23 में 3251, 2023-24 में 3294, 2024-25 में 2041 तथा 2025-26 में 2217 बालिकाएं योजना से जुड़ीं, जो दर्शाता है कि नन्दा गौरा योजना जनपद में बालिका जन्म से लेकर शिक्षा तक निरंतर सुरक्षा और सशक्तिकरण की मजबूत कड़ी बन चुकी है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि योजना का लाभ प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से पारदर्शी रूप से दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नंदा गौरा योजना केवल आर्थिक सहायता नहीं है, बल्कि यह बालिकाओं के आत्मविश्वास, शिक्षा और आत्मनिर्भर भविष्य की मजबूत नींव है। सरकार का प्रयास है कि कोई भी पात्र बालिका इस योजना से वंचित न रहे।

तमिलनाडु: राजग ने द्रमुक के 'भ्रष्ट और वंशवादी शासन' पर बोला हमला

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुक्रवार को चेन्नई के निकट आयोजित एक विशाल जनसभा में राजग के सहयोगी दलों अन्नाद्रमुक, भाजपा, पीएमके और एएमएमके ने सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार पर वंशवादी और भ्रष्ट शासन का आरोप लगाते हुए जोरदार हमला किया। अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले राजग के नेताओं ने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनावों में द्रमुक को सत्ता से बेदखल किया जाएगा और राजग भारी बहुमत से जीत दर्ज करेगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने प्रधानमंत्री मोदी और राजग के अन्य नेताओं का स्वागत करते हुए कहा कि यह केवल एक जनसभा नहीं, बल्कि उन ताकतों को समाप्त करने का सम्मेलन है जो तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ियों पर दीपम जलाने का विरोध कर रही हैं और सनातन धर्म के खिलाफ बोल रही हैं। तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी भगवान मुरुगन के छह पवित्र धामों में से एक है। प्रधानमंत्री मोदी को 'नर्मदा की मिट्टी का पुत्र' बताते हुए श्री नागेंद्रन ने कहा कि वे तमिलनाडु को द्रमुक से मुक्त कराने आए हैं और आगामी विधानसभा चुनावों में द्रमुक का पतन तय है। उन्होंने कहा कि एनडीए की जीत के साथ राज्य में सत्ता परिवर्तन निश्चित है।

मौसम का उल्लेख करते हुए उन्होंने द्रमुक के चुनाव चिह्न 'उगते सूर्य' पर तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आगमन के साथ ही 'सूर्य अस्त हो गया' (सूरियन मरैन्थुविट्टधु), जो डीएमके की आगामी हार का संकेत है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा तमिलनाडु को दी गई उपलब्धियों का भी उल्लेख किया, जिनमें 11 मेडिकल कॉलेजों की स्थापना और राज्य के विकास से जुड़ी कई योजनाएं शामिल हैं। सभा को संबोधित करते हुए अन्नाद्रमुक के महासचिव और एनडीए के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने द्रमुक पर तीखा हमला बोला और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के तमिलनाडु की धरती पर कदम रखते ही 'सूर्य अस्त हो गया'। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश मदुरांतकम की ओर देख रहा है और पिछले चार वर्षों में तमिलनाडु ने द्रमुक शासन के दौरान केवल भ्रष्टाचार ही देखा है। पलानीस्वामी ने कहा कि कोविड-19 संकट के दौरान कई विकसित देश भी अपने नागरिकों को नहीं बचा सके, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने देश को संकट से उबारा। इसके विपरीत, द्रमुक सरकार केवल केंद्र सरकार की आलोचना करती रही और राज्य के विकास के लिए सहयोग नहीं किया। उन्होंने कहा कि अन्नाद्रमुक के शासनकाल में केंद्र से धन प्राप्त कर तमिलनाडु का विकास हुआ।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com